PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 203 ● भिलाई, मंगलवार 17 फरवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

हवा में अचानक पीछे जाने लगा सीएम मोहन यादव का हेलीकॉप्टर, थम गईं लोगों की सांसें

खंडवा । मध्य प्रदेश के खंडवा जिले से एक बेहद डराने वाली घटना सामने आई है, जिसने कुछ पलों के लिए वहां मौजूद हर शख्स की धड़कनें तेज कर दीं। मुख्यमंत्री मोहन यादव के हेलीकॉप्टर ने जैसे ही टेकऑफ किया, वह हवा में लड़खड़ाने लगा और आगे बढ़ने के बजाय अचानक पीछे की तरफ जाने लगा। इस खौफनाक घटना का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह पूरा वाकया उस समय हुआ जब सीएम मोहन यादव पंधाना इलाके में 'लाड़ली बहना योजना' के एक विशाल कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे।पंधाना में कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब मुख्यमंत्री मोहन यादव के हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी, तो अचानक वह अनियंत्रित सा दिखने लगा। चॉपर आसमान में आगे की ओर जाने के बजाय पीछे और नीचे की तरफ झुकने लगा था। हवा में हेलीकॉप्टर का यह डरावना संतुलन बिगड़ता देख नीचे खड़े आला अधिकारी, सुरक्षाकर्मी और आम जनता बुरी तरह घबरा गए। हर किसी के चेहरे पर सीएम की सुरक्षा को लेकर चिंता साफ दिखाई दे रही थी। हालांकि, गनीमत यह रही कि हेलीकॉप्टर के अनुभवी पायलट ने गजब की सूझबूझ दिखाई और कुछ ही सेकंड में स्थिति को संभाल लिया।

बंगलूरू के पास भयानक सड़क हादसा, कार और बस की टक्कर में पांच युवकों की मौत

बंगलुरु । बंगलूरू के नेलमंगला में बस की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों की उम्र 17 से 22 साल तक बताई जा रही है। बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।यहां एक कार और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि कार बंगलूरू की ओर जा रही थी। इस दौरान अचानक कार डिवाइडर से टकराकर दूसरी लेन में पहुंच गई, जिससे सामने से आ रही बस ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार में सवार चार लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। एक अन्य घायल युवक की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

बेटे ने किया माता-पिता का कत्ल, अंतिम संस्कार में 5 मिनट खड़ा रहा बेखौफ

नई दिल्ली। बेंगलुरु से सामने आए एक सनसनीखेज मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया है। पूर्व सैन्य अधिकारी कैप्टन नवीन चंद्र भट और उनकी पत्नी डॉ. श्यामला भट की उनके ही बेटे ने कथित रूप से चाकू मारकर हत्या कर दी। इस दोहरे हत्याकांड का मुख्य आरोपी उनका बेटा रोहन चंद्र भट है, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। हत्या के कुछ दिनों बाद शनिवार, 14 फरवरी को दोनों का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस सुरक्षा के बीच आरोपी बेटे रोहन को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए विल्सन गार्डन श्मशान घाट लाया गया।

दुनियाभर के राष्ट्राध्यक्ष हुए शामिल

मोदी ने की मेगा इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की शुरुआत

■ इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय द्वारा आयोजित, थीम 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय'

नई दिल्ली/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी गतिविधियों पर केंद्रित प्रदर्शनी 'इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो' का उद्घाटन किया. प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रदर्शनी का उद्घटान करने के बाद प्रदर्शनी में हिस्सा ले रही स्टार्टअप कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद भी किया. उन्होंने विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया और प्रदर्शनी में शामिल कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की. इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि एआई इम्पैक्ट समिट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलग-अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, सहयोग, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी अन्य मुद्दों पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा. पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एआई पर चर्चा के लिए दुनिया को एक साथ लाना! आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट होस्ट कर रहा है. मैं इस समिट के लिए दुनिया भर के लीडर्स, इंडस्ट्री के कैप्टन्स, इनोवेटर्स, पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स और टेक के शौकीनों का

दिल से स्वागत करता हूं. समिट की थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय, यानी सभी का कल्याण, सभी के लिए खुशी, जो ह्यूमन-सेंट्रिक प्रोग्रेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा कमिटमेंट को दिखाता है. पीएम मोदी ने कहा, एआई आज स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, गवर्नेंस और एंटरप्राइज सहित कई सेक्टर्स को बदल रहा है. एआई इम्पैक्ट समिट एआई के अलग-अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, कोलेबोरेशन, जिम्मेदारी से इस्तेमाल और भी बहुत कुछ पर ग्लोबल बातचीत को बेहतर बनाएगा. मुझे विश्वास है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो. उन्होंने आगे कहा, भारत के 1.4 बिलियन लोगों की वजह से, हमारा देश एआई ट्रांसफॉर्मेशन में सबसे आगे है. डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एक वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम और कटिंग-एज रिसर्च तक, एआई में हमारी तरक्की लक्ष्य और जिम्मेदारी दोनों को दिखाती है.

600 से अधिक स्टार्टअप्स दिखाएंगे इनोवेशन.....

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में 600 से ज्यादा हाई-कैपेसिटी स्टार्टअप्स हिस्सा ले रहे हैं। यह अपने ऐसे समाधानों को प्रदर्शित करेंगे जो वास्तविक दुनिया में पहले से उपयोग में हैं। इसमें हेल्थकेयर, एग्रीटेक, एजुकेशन, साइबर सिक्योरिटी, शहरी विकास और अन्य सेक्टरों से जुड़े इनोवेशन शामिल होंगे, जो॰ द्व के ज़रिए समस्याओं के समाधान का रास्ता दिखाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई पवेलयिंस में जाकर लोगों से मुलकात की। इस दौरान पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव भी मौजूद रहे। पीएम मोदी एयरटेल के पवेलयिन में भी पहुंचे हैं। उन्होंने नेटवर्क बेस्ड आइडेंटफिकिशन तकनीक की जानकारी ली। इस तकनीक की मदद से एयरटेल फ्रॉड से यूजर्स का बचाव कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो में जियो के पवेलयिन का भी दौरा कयिा। वहां उन्होंने आकाश अंबानी से मलिकर जियो की ओर से एआई के क्षेत्र में कए़ि जा रहे कामों को जाना।

राजपाल यादव को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

1.5 करोड़ की शर्त पर मिली अंतरिम जमानत

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। 16 फरवरी सोमवार को दोपहर 3 बजे जब उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई, तो कोर्ट ने उनकी सजा निलंबित कर दी और उन्हें भतीजी की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दे दी। जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा ने कहा कि 1.5 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट रेस्पॉन्डेंट के नाम पर जमा करने के बाद ही रिहाई होगी। दरअसल, राजपाल यादव के वकील ने अदालत को बताया कि वे बिना शर्त 1.5 करोड़ रुपये ड्राफ्ट के जरिए देने को तैयार हैं। जस्टिस शर्मा ने कहा कि भुगतान ड्राफ्ट के माध्यम से होना चाहिए। पहले ही 25 लाख रुपये का ड्राफ्ट जारी हो चुका था और 75 लाख रुपये का ड्राफ्ट राजपाल ने जमा कर दिया था। अब बची राशि जमा करने पर ही उन्हें अंतरिम जमानत दी गई। यह राहत 18 मार्च तक के लिए है, जब अगली सुनवाई होगी।

भिवाड़ी में भयानक अग्निकांड

केमिकल फैक्ट्री में हृदयविदारक हादसे से 7 मजदूर जिंदा जले, कंकाल देख कांपी रेस्क्यू टीम की रूह

नई दिल्ली। राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्र भिवाड़ी में सोमवार की सुबह मौत का तांडव देखने को मिला। खुशखेड़ा करौली इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में अचानक लगी भीषण आग ने वहां काम कर रहे मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं दिया। इस हृदयविदारक हादसे में 7 मजदूर जिंदा जल गए, जबकि कई अन्य के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है। यह दर्दनाक हादसा सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे उस समय हुआ जब फैक्ट्री में काम पूरी गति से चल रहा था। जानकारी के अनुसार, भिवाड़ी के खुशखेड़ा करौली इंडस्ट्रियल एरिया स्थित इस केमिकल फैक्ट्री में करीब 25 मजदूर मौजूद थे। आग इतनी अचानक और तेजी से फैली कि मजदूरों को बाहर निकलने का रास्ता तक नहीं मिल सका। एडीएम सुमिता मिश्रा ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान इस घटना का पता चला, जिसके बाद तुरंत रेस्क्यू शुरू किया गया। आग की सूचना मिलते ही खुशखेड़ा और भिवाड़ी रीको फायर स्टेशन से दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। केमिकल की मौजूदगी के कारण आग की लपटें बेहद

विकराल थीं, जिन पर करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया जा सका। जब आग बुझने के बाद रेस्क्यू टीम फैक्ट्री के अंदर दाखिल हुई, तो वहां का नजारा देख अधिकारियों के होश उड़ गए। टीम के सामने मजदूरों के जले हुए कंकाल पड़े थे। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शव पहचान में नहीं आ रहे थे, जिन्हें बाद में कंबल में लपेटकर बाहर निकाला गया। प्रशासन ने अब तक 7 मजदूरों के शव बरामद किए जाने की पुष्टि की है, जबकि 2 मजदूर अब भी लापता बताए जा रहे हैं जिनकी तलाश मलबे में जारी है। मौके पर तिजारा डीएसपी शिवराज सिंह मौजूद हैं और उन्होंने घटना की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। भिवाड़ी एसपी और एडीएम भी घटनास्थल का निरीक्षण करने पहुंचने वाले हैं। प्रशासन इस बात की जांच कर रहा है कि फैक्ट्री में ज्वलनशील रसायनों के रखरखाव और आग से बचाव के सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था या नहीं। राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी अक्सर बड़े हादसों का सबब बनती रही है।

जो भारत की संस्कृति को रौंदने आया था

सीएम योगी बोले-सपा के लोग गाजी मेले का समर्थन करते हैं

लखनऊ/ एजेंसी

विधानसभा सत्र में सीएम योगी ने कहा, सपा के लोग गाजी के मेले का समर्थन करते हैं, जो भारत की संस्कृति को रौंदने आया था। महाराज सुहेलदेव के नाम पर हमने विवि बनाया। ये लोग राम मंदिर का विरोध करते हैं, काशी विश्वनाथ का विरोध करते हैं। इन लोगों में भारत की आस्था का कोई सम्मान नहीं है। संभल, बरेली, बौद्ध तीर्थ, प्रयागराज, काशी, मथुरा समेत सभी तीर्थों का विकास किया जा रहा है। आज यूपी की पहचान देव दिवाली से होती है। सीएम ने कहा, यूपी को बीमारू राज्य कहकर लोग इसका

मजाक उड़ाते थे। आज देश की जीडीपी में 9.5 फीसदी है। प्रति व्यक्ति आया तीन गुना हुई है। 8.5 वर्षों में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, हां टैक्स चोरी रोकी है। आज रेवेन्यू सरप्लस प्रदेश के रूप में हम हैं। 2017 से पहले कृषि के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। किसान सिर्फ वोट बैंक था। आज लागत कम उत्पादन ज्यादा है। आज किसान विकास का साथी है। जो भी पैसा होता है, डीबीटी के माध्यम के सीधे अन्नदाता के खातों में जाता है। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से 95 हजार करोड़ से अधिक धनराशि यूपी के किसानों को दी गई है। आज 'खेती की बात खेत में' हो रही है। कृषि वैज्ञानिक जाते हैं, किसान से बात करते हैं। कृषि उत्पादन की गुणवत्ता पर ध्यान दिया जा रहा है। आज प्रदेश के अंदर 7727 गो आश्रय स्थल संचालित हैं। इनमें 16 हजार से अधिक गवंश हैं। प्रदेश में 3 लाख 6 हजार करोड़ गन्ना किसानों को मूल्य का भुगतान किया गया।

अखंड अष्टयाम को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा.......

दरियापुर। स्थानीय प्रखंड क्षेत्र फुर्शतपुर स्थित ऐतिहासिक शिव मंदिर पर महाशिवरात्रि को लेकर आयोजित अखंड अष्टयाम के लिए भव्य कलश यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने बैंड बाजा के साथ हिस्सा लिया। यात्रा मंदिर परिसर से चलकर डेरनी बाजार होते हुए विश्वंभरपुर स्थित माही नदी के संगम स्थल पहुंची, जहां आचार्यों के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के उपरांत जल लिया गया।इसके बाद ग्राम देवता विश्वंभर बाबा की पूजा अर्चना कर यात्रा पुन: मंदिर परिसर में समाप्त हुई। इसके उपरांत अष्टयाम शुरू किया गया। इस दौरान थानाध्यक्ष प्रीति कुमारी काफी संख्या में पुलिस बल के साथ मुस्तैद थीं।

शादी का झूठा वादा और शारीरिक संबंध

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी कहा-शादी से पहले सतर्क रहें

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को शादी से पहले शारीरिक संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। यह टिप्पणियां एक ऐसे मामले में आईं, जहां एक व्यक्ति पर शादी का झूठा वादा करके बलात्कार का आरोप लगा था और वह जमानत की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने जोर देकर कहा कि शादी से पहले शारीरिक संबंध बनाने से पहले लोगों को बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। कोर्ट ने कहा, शायद हम

पुराने खयालात वाले हैं, लेकिन शादी से पहले लड़का और लड़की कानूनी और सामाजिक रूप से अजनबी ही होते हैं। रिश्ते कितने भी गहरे क्यों न हों, शादी पक्की होने तक फिजिकल रिलेशनशिप में जाना समझ से परे है। जस्टिस नागरत्ना ने आगे कहा कि शादी से पहले किसी पर भी पूरी तरह भरोसा नहीं करना चाहिए। लोगों को बहुत सतर्क रहना चाहिए। यह टिप्पणियां एक 30 वर्षीय महिला की शिकायत पर आधारित मामले में आईं, जो 2022 में एक मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए आरोपी से मिली थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी पहले से शादीशुदा था, फिर भी शादी का वादा करके महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाए। यह संबंध दिल्ली और दुबई समेत कई जगहों पर चला। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने उसकी सहमति के बिना अंतरंग वीडियो बनाए और बाद में उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए इस्तेमाल किया।

शिक्षा संवाद छत्तीसगढ़ विवाद

सरकारी पत्र का दुरुपयोग कर निजी यूनिवर्सिटीज से वसूली

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में 17 फरवरी को होने वाले 'शिक्षा संवाद छत्तीसगढ़ 2026' कार्यक्रम को लेकर गंभीर विवाद सामने आया है। मामले में नोएडा स्थित इवेंट कंपनी इलेट्स टेक्नोमीडिया पर गंभीर आरोप लगे हैं। कंपनी पर आरोप है कि उसने छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग के एक आधिकारिक पत्र का उपयोग कर इस कार्यक्रम को सरकारी आयोजन के रूप में पेश किया। इतना ही नहीं प्राइवेट विश्वविद्यालयों से स्पॉन्सरशिप के नाम पर फंडिंग करने का भी आरोप लगा है। आरोप है कि इस इवेंट कंपनी ने छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग के सचिव एस. भारती दासन के नाम से जारी एक पत्र का इस्तेमाल किया है, जिसमें कार्यक्रम को नि:शुल्क बताकर सरकारी लोगो और लेटर हेड के उपयोग की अनुमति ली गई थी। इसी पत्र के आधार पर प्रदेश की कई निजी विश्वविद्यालयों से स्पॉन्सरशिप के नाम पर जमकर वसूली किया गया। जबकि कार्यक्रम पूरी तरह प्राइवेट कंपनी का था पर इसे सरकारी कार्यक्रम की तरह पेश किया जा रहा था। सबसे बड़ी और हैरान करने वाली बात ये है कि इस आयोजन का प्रचार-प्रसार छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर भी किया जा रहा था। इससे यह सरकारी आयोजन माने जाने लगा। वहीं इलेट्स टेक्नोमिडिया की वेबसाइट पर भी इसे विभाग के साथ सहयोग से आयोजित किया जाना बताया गया। वहीं उच्च शिक्षा विभाग को सह-आयोजक के रूप पेश

किया गया। इस मामले में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति महादेव कावरे ने कहा कि इस कार्यक्रम के आयोजक उनके पास पहुंचे थे। उच्च शिक्षा सचिव का पत्र दिखाकर इसे सरकारी कार्यक्रम बताया गया था। इस वजह से इस कार्यक्रम पर संदेह नहीं हुआ । इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने सवाल उठाते हुए मंत्री टंकराम वर्मा से पूछा है कि जिस इलेट्स टेक्नो मिडिया के इवेंट को एमपी सरकार ने वसूली की शिकायत के बाद कार्यक्रम को रद्द कर दिया। उसी इवेंट कंपनी को छत्तीसगढ़ में कार्यक्रम की अनुमति कैसे दे दी गई सरकारी वेबसाइट में मंत्री की फोटो लगाकर छत्तीसगढ़ शासन के लोगो के साथ प्रचार क्यों किया जा रहा हैं प्रदेश में भी इवेंट के नाम से कम्पनी की तरफ से निजी विश्वविद्यालयों से मोटी रकम लेने की शिकायत मिल रही हैं, वसूली के लिये सचिव के पत्र को आधार बनाया जा रहा है। ये कैसा शिक्षा संवाद हैं जो वसूली का जरिया बना गया हैं। जिन विश्वविद्यालयों से इवेंट कंपनी कार्यक्रम के नाम से राशि ली है उसे लोटाई जाये। कंपनी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी इलेट्स ने नि:शुल्क इवेंट कराने उच्च शिक्षा विभाग को प्रस्ताव दिया था।

उच्च शिक्षा सचिव के पत्र को तत्काल किया जाए निरस्त

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय ठाकुर ने आरोप लगाते कहा उच्च शिक्षा सचिव भारतीय दासन द्वारा जारी पत्र को तत्काल निरस्त किया जाए और जहां-जहां से कंपनी ने वसूली की है, वह राशि वापस की जाए. उन्होंने कहा कि यह कंपनी मध्य प्रदेश में भी इसी तरह सचिव के लेटर से वसूली कर चुकी है. वहां प्रमुख सचिव निकुंज कुमार श्रीवास्तव को जानकारी मिलते ही कार्यक्रम तत्काल रद्द कर दिया गया था, और कंपनी के मालिक को फटकार लगाई गई थी. वहीं उच्च शिक्षा मंत्री टंकराम वर्मा ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा मुझे इसकी जानकारी नहीं है. आपके माध्यम से जानकारी मिल रही है. मैं अधिकारियों को तत्काल जांच के निर्देश देता हूं. वहीं इस संबंध में इवेंट कंपनी के मालिक रवि गुप्ता से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला.

CMYK

वनांचल ग्राम कामठी में दिखा आस्था, संस्कृति और जनकल्याण का दिव्य संगम, विधायक भावना बोहरा और श्रद्धालुओं ने किया सामूहिक रुद्राभिषेक

पंडरिया विधायक भावना बोहरा के साथ ग्राम कामठी में 700 से अधिक जोड़ों और श्रद्धालुओं ने किया 151 शिवलिंग में सामूहिक रुद्राभिषेक

कवर्धा। महाशिवरात्रि के अवसर पर पंडरिया विधानसभा अंतर्गत ग्राम कामठी में शिवभक्ति की अनूठी झलक देखने को मिली। उत्साह और उमंग के साथ 700 से अधिक विवाहित जोड़ों और श्रद्धालुओं पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा आयोजित 151 पार्थिव शिवलिंग में सामूहिक रूप से पूरे विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक कर हर हर महादेव का जयघोष किया। इस दौरान विधायक भावना बोहरा ने आयोजन में पधारे सभी श्रद्धालुओं और पंडरिया विधानसभा वासियों को आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त कर महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इस भव्य आयोजन में हजारों की संख्या में क्षेत्रवासी तथा ग्राम नेऊर और दमगढ़ के उन आदिवासी परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे जिन्होंने विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से अपने मूल धर्म में घर वापसी की थी। इस दौरान 10,000 भक्तों के लिए

भंडारा एवं महाप्रसादी का आयोजन भी किया गया जिसमें विधायक भावना बोहरा ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के

भजन गायक अनुराग शर्मा द्वारा भजन की भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन में भगवान भोलेनाथ जी के जयकारे से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज का यह आयोजन हमारी धार्मिक संस्कृति और परंपरा का एक प्रतीक है। सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान से एक साथ भगवान भोलेनाथ जी का रुद्राभिषेक कर छत्तीसगढ़ एवं पंडरिया विधानसभा की सुख-समृद्धि और जन कल्याण की कामना की। पंडरिया विधानसभा सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक समरसता की समृद्ध परंपराओं के लिए जानी जाती है। यहां के जन-जीवन में सनातन मूल्यों की गहरी आस्था है। यह हम सभी का दायित्व है कि हम अपनी संस्कृति और आस्था की इस अमूल्य धरोहर को सहेजें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। यह आयोजन क्षेत्र की धार्मिक चेतना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सामाजिक एकता और सामूहिक सहभागिता को भी सशक्त करेगा। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र और महत्वपूर्ण रहा, बल्कि क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए एक सकारात्मक संकल्प का प्रतीक भी बना। इस आयोजन ने समाज के सभी वर्गों युवा, महिलाएं, बुजुर्ग और ग्रामीण नागरिकों को एक मंच पर एकत्रित कर सामाजिक एकता और सामूहिक चेतना को मजबूत किया। भावना बोहरा ने आगे कहा कि इस अवसर पर क्षेत्र के विकास, जनकल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना भी की गई, जिससे यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रहकर जनहित और क्षेत्र की प्रगति का संकल्प भी बन गया, जिसने समृद्ध पंडरिया बनाने के हमारे संकल्प को एक नई उर्जा और दिशा भी दी है। भगवान शिव सृष्टि के कल्याणकर्ता हैं। आज 151 शिवलिंगों में सामूहिक रुद्राभिषेक का यह आयोजन हमारे क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और विकास के लिए समर्पित है। हमारी सदैव यह भावना रही है कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र आध्यात्मिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से सशक्त और विकास के पथ पर निरंतर अग्रसर रहे।

मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचे पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा के ग्राम रजकुड़ी में जय मां शीतला बोल बम समिति द्वारा निर्मित भव्य मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचकर पूजा अर्चना की और क्षेत्रवासियों के लिए सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने जय मां शीतला बोल बम समिति की प्रशंसा करते हुए कहा कि समिति ने अपने समर्थ के दम पर भव्य मंदिर का निर्माण कराया है जो निश्चित ही हम सभी के आस्था का केंद्र है और बहुत ही नेक कार्य है सभी की आस्थाएं ईश्वर से जुड़ी हुई है और मंदिर में पूजा अर्चना करके लोगों की मनोकामनाएं फलीभूत होंगी इस अवसर पर ललित विश्वकर्मा दाऊ

शुभम वर्मा दाऊ टोपेंद्र वर्मा शशि प्रभा गायकवाड सरपंच श्रीमती ताकेश्वरी वर्मा प्रतिनिधि जितेंद्र वर्मा डोमन पूरी लीलाराम निषाद हरिराम साहू मनोज शर्मा भावसिंग राज नरेन्द्र निषाद चंद्रिका निषाद खेमराज पूरी भावी नाथ निषाद मिलन रजक मीनादेवी मांडले दिलीप मांड़ले उर्मिला वर्मा सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे ।

जल अर्पण दिवस में सहसपानी गांव को पानी टंकी संचालन की दी जिम्मेदारी

जल जीवन मिशन से गांव के घर घर में नल से मिल रहा पानी

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जल जीवन मिशन से जिले में जल की उपलब्धता, जल बचाव हेतु विकासखंड सारंगढ़ के ग्राम पंचायत सहसपानी में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा भव्य जल अर्पण दिवस कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्मित पानी टंकी एवं अन्य जल प्रदाय योजनाओं को ग्रामवासियों को समर्पित किया गया। ÷मोर गाँव मोर पानी÷, ÷जल संवर्धन÷, ÷सुजल ग्राम÷ और ÷सुजल, स्वच्छ, स्वस्थ ग्राम हमारा अभिमान÷ जैसे नारों के साथ ग्रामीणों को जल की उपयोगिता, संरक्षण एवं प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय

अधिकारियों कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप, एसडीओ बी एल खरे ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना और जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, विधायक उत्तरी जांगड़े, सारंगढ़ जनपद अध्यक्ष ममता सिंह ठाकुर, सांसद प्रतिनिधि अरुण गुड्डू, पत्रकार प्रशांत प्रधान, आदिवासी नेता तेजराम सिदार, जिले के सचिव संघ अध्यक्ष बलभद्र पटेल सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी- कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहेकार्यक्रम में बच्चों ने स्वागत गीत के साथ सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति दी। अंत में ÷हर-घर नल से जल ङ्क जल बचाएँ, जीवन संजोएँ÷ का संदेश देते हुए ग्रामीणों से जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। जल जीवन मिशन से गांव के घर घर में नल से पानी मिल रहा है। जल अर्पण दिवस ने जंगल के समीप बसे गांव सहसपानी में जल विकास की नई धारा प्रवाहित की है।

मदगुरी आंबाटोली के प्राचीन शिव मंदिर में उमड़ी अपार श्रद्धा, दो दिवसीय शिवरात्रि मेले में भव्य भंडारा

नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र भगत ने किया भंडारा वितरण

बलरामपुर। कुसमी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मदगुरी आंबाटोली स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। दो दिवसीय शिवरात्रि मेला महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा और सुबह से ही भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मेले में शामिल हुए। भक्तों ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शिव से सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति भावना से सराबोर नजर आया।

नगर पंचायत अध्यक्ष ने की पूजा-अर्चना-मेला महोत्सव के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र भगत ने भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व आस्था, विश्वास और सामाजिक एकता का प्रतीक है।उन्होंने मेले में आए श्रद्धालुओं का स्वागत किया तथा भंडारे में स्वयं उपस्थित रहकर प्रसाद वितरण में सहभागिता निभाई। उनके साथ सहयोगियों ने भी सेवा भावना से बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

भव्य भंडारे में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण-दो दिवसीय मेले के दौरान विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन में मुख्य रूप से राजेंद्र भगत, नईमुद्दीन अंसारी, श्याम कुशवाहा, करमचंद मुंडा, उत्पल कुमार, सौरभ कुमार, मुनेश्वर राम, मदन लाल वर्मा, अमरनाथ सोनवानी, संतोष भगत, जितेंद्र टोप्पो, अमित, प्रदीप सहित अनेक माताएं एवं बहनों की सक्रिय भागीदारी रही।आयोजन समिति के सदस्यों ने व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे पूरे मेले में अनुशासन और सुव्यवस्था बनी रही।

आस्था और सामाजिक समरसता का प्रतीक बना आयोजन-मदगुरी आंबाटोली का यह प्राचीन शिव मंदिर वर्षों से क्षेत्रवासियों की आस्था का केंद्र रहा है। शिवरात्रि के अवसर पर आयोजित यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि सामाजिक समरसता और भाईचारे का भी संदेश देता नजर आया।कुल मिलाकर, कुसमी विकासखंड के मदगुरी आंबाटोली में आयोजित यह दो दिवसीय शिवरात्रि मेला श्रद्धा, सेवा और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण बनकर सामने आया।

बेमेतरा वार्ड क्रमांक 2 में महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब

बेमेतरा। शहर के वार्ड क्रमांक 2 में श्रद्धा और आस्था का पावन पर्व महाशिवरात्रि धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के जयकारों से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर सहित वार्ड के सभी शिव मंदिरों को आकर्षक रूप से सजाया गया है। श्रद्धालु जल, दूध, बेलपत्र और धतूरा अर्पित कर भगवान भोलेनाथ का विधिवत अभिषेक कर रहे हैं। मंदिर समितियों द्वारा विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई है।समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मानपुर में अखंड नवधा रामायण का तीन दिवसीय आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर मेले का भी आयोजन रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु

पहुंचकर धार्मिक आयोजन के साथ मेले का आनंद उठा रहे हैं।इस अवसर पर समिति के सदस्य रामप्रसाद वर्मा, मधु वर्मा, प्रेम वर्मा, तुषार सिन्हा, श्रीराम वर्मा, लखन वर्मा, लेखु वर्मा, टेमचंद वर्मा, राजेश वर्मा, कौशल वर्मा, रामखेलावन सिंहा, कुंवर सिंह यादव, गणेश सिंहा, पप्पी वर्मा एवं आजू वर्मा सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु भगवान शिव की आराधना में लीन नजर आ रहे हैं।

महाशिवरात्रि पर पूजन-अभिषेक व भव्य शोभायात्रा, जयघोषों से गूंजा 'हर-हर महादेव

बेमेतरा। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर नगर में श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भगवान शिव के मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। विधि-विधान से रुद्राभिषेक, जलाभिषेक एवं विशेष आरती संपन्न हुई। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की। शीतलापारा शिव समिति मंदिर, कांकेर देवभूमि राजापारा शिवमंदिर, सुभाष वार्ड शिवमंदिर एवं जवाहर वार्ड शिवमंदिर,टिकरापारा मेला भाटा शिव मंदिर सहित अन्य मंदिरों में दिनभर भक्ति का माहौल बना रहा। मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। इसी क्रम में श्री श्री महाकाल भक्त सेवा समिति, घड़ी चौक कांकेर के तत्वावधान में भगवान महाकाल की भव्य शोभायात्रा ,आकर्षण झाँकी एव विशेष प्रसूति कमलेश डीजे के द्वार निकाली गई। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जिसमें

बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्ति गीतों एवं आकर्षक झांकियों ने वातावरण को शिवमय बना दिया। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर भंडारा एवं प्रसादी वितरण किया गया। आयोजन को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। प्रमुख चौराहों एवं संवेदनशील स्थलों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने हेतु विशेष व्यवस्था की गई। प्रशासन की सतर्कता के चलते कार्यक्रम शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

महाशिवरात्रि पर कर्णेश्वर धाम में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ट्रस्ट ने कर्णेश्वर महादेव का किया रुद्राभिषेक

नगरी। महाशिवरात्रि पर रविवार को श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना बेलपत्र, शमी पत्र,धतूरा,फूल नारियल आदि पूजन सामग्री को समर्पित कर जलाभिषेक किया।ऐतिहासिक कर्णेश्वर धाम प्रातः काल से ही शिव मय रहा। हर हर महादेव के जय घोष से पूरा परिसर गूंजता रहा।मन्दिर के सामने नारियल, धतूरा के फल फूल,अगरबत्ती, बेलपत्रों की दुकानें सजी रही। परम्परानुसार श्रद्धालुओं ने महानदी व बालका के संगम में डुबकी लगाकर कर्णेश्वर महादेव की पुजा अर्चना की।महाशिवरात्रि पर ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान शिव के बारह ज्योतिलिंगो का धरती पर प्रकाट्य हुआ था और भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह उत्सव के रूप में मनाने की परम्परा है।ट्रस्ट अध्यक्ष विकल गुप्ता ने बताया कि ऐतिहासिक कर्णेश्वर धाम में छत्तीसगढ़ की जीवन दायिनी महानदी व बालका, अदृश्य स्वर्ण नदी के पवित्र त्रिवेणी संगम में प्रकृति और परमात्मा का अदभुत मिलन होता है।महाशिवरात्रि पर त्रिनेत्र धारी भगवान शिव का आराधना में डूबे श्रद्धालुओं का उत्साह और भक्ति भाव देखते ही बनता है। ट्रस्ट ने सान्ध्य कालीन बेला में विधि विधान से पूजा अर्चना बेल पत्र, घतुरा के फूल व फल, शमी,गंगा जल,दूध,दही,चंदन, कनेर के पुष्प,सहित शिव जी के प्रिय सामग्रियों से कर महारुद्राभिषेक किया। नवनीत मानस परिवार राजनांदगांव व जय हिंद मानस परिवार साकरा द्वारा दोपहर से देर रात तक मधुर भजनों से शिव महिमा का गुण गान किया। इस दौरान ट्रस्ट संरक्षक कैलाश पवार, उपाध्यक्ष रवि ठाकुर,रवि दुबे,सचिव भरत निर्मलकर,कोषाध्यक्ष निकेश ठाकुर,सह सचिव राम भरोसा साहू, मोहन पुजारी,वरिष्ठ ट्रस्टी प्रकाश बैश, नागेंद्र शुक्ला,आनंद अवस्थी, योगेश साहू, छबि ठाकुर,बबलू गुप्ता, दुर्गेश साहू, ईश्वर जांगड़े,डोमार मिश्रा, महेंद्र कौशल रवि भट्ट,हनी कशयप, अनिरुद्ध साहू,गगन नाहटा,अश्विनी निषाद,होरी लाल पटेल, ललित निर्मलकर,संतु साहू मिलेश साहू,प्रमेश निषाद,गौतम चंद्र साहू,टेश्वर ध्रुव ,भूपेंद्र साहू,कुलेश साहू आदि की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त समाचार

दो मासूमों से दुष्कर्म मामले में आरोपी को हुई सश्रम आजीवन कारावास की सजा

रायपुर। महज 6 और 8 वर्ष की दो नाबालिक लड़कियों के साथ जबरन दुष्कर्म की वारदात को अजांम देने वाले आरोपी की सश्रम उम्रकैद की सजा से दण्डित किया गया है। जानकारी के अनुसार थाना कटघोरा क्षेत्र अंतर्गत ढेलवाडीह निवासी आरोपी व्यासनारायण सोनवानी के द्वारा अपने ही क्षेत्र की दो नाबालिक लड़?कियों को बहला फुसलाकर दुष्कर्म की घटना को अजांम दिया गया था। पीड़िता की मां की भांजी ने फोन कर उसे जानकारी दी कि उसकी पुत्री एवं पुत्री की सहेली को गलत नीयत से बैड टच कर गलत हरकत किया है। तब माँ ने अपनी पुत्री से पूछा तो बतायी कि आरोपी ने गलत काम किया है। आरोपी द्वारा पीड़तों के साथ किये गये उक्त कृत्य का वीडियो गवाह के द्वारा अपने मोबाईल में बनाया गया था। उक्त घटना की रिपोर्ट थाना कटघोरा में करायी गई थी जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी व्यासनारायण सोनवानी के विरूद्ध धारा 376 (2) (एन) (दो बार) भा0द0वि0 एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 06 (दो बार) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को न्यायालय में पेश किया था। मामले की सुनवाई एफटी.एस.सी (पाक्सो) श्रीमती श्रद्धा शुक्ला शर्मा के विशेष न्यायालय में चल रही थी जहां आरोपी के विरूद्ध विवेचना के दौरान विवेचना अधिकारी तेज कुमार यादव के द्वारा अभियुक्त के विरूद्ध पर्याप्त सबूत जुटाये गये। उक्त प्रकरण में विचारण के दौरान विशेष न्यायालय एफ्टीएससी (पाक्सो) पीठासीन अधिकारी के द्वारा दोष प्रमाणित होने पर आरोपी व्यासनारायण सोनवानी को धारा 376 (2) (एन) (दो बार) भादवि एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 06 (दो बार) के अपराध में आजीवन सश्रम कारावास सजा सुनाई है।

कांग्रेस के बागियों की शीघ्र वापसी को लेकर जल्दबाजी नहीं : सिंहदेव

रायपुर। प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंह देव ने कहा कि कांग्रेस की बागियों घर वापसी को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं की जाएगी। बागियों का व्यक्ति प्रति नहीं बल्कि संगठन के प्रति निष्ठावान होना पड़ेगा। आज यहां पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए टीएस सिंहदेव ने कहा कि चुनाव के समय कई कांग्रेस नेता अपने स्वार्थ के चलते पार्टी छोड़कर चले गए है, लेकिन अब वे घर वापसी चाहते हैं, इसके लिए एक समिति गठित की गई है,लेकिन अभी तक इस पर काईकार्यवाही नही हुई है। टीएस सिंहदेव ने कहा कि राज्य में इस समय बागी नेताओं के प्रति निष्ठावान होते हैं, पार्टी के प्रति नहीं। इसलिए उनकी पार्टी में निष्ठा नहीं होती है। इधर कांग्रेस के विधायक सुनील सोनी ने कहा कि कांग्रेस पहले अपने घर को सुधार ले उसके पश्चात कोई कार्यवाही करें। ज्ञात रहे कांग्रेस में विधानसभा और लोकसभा चुनाव के समय टिकट नहीं मिलने पर नाराज होकर पार्टी छोड़कर कर चले जाते हैं, इसके पश्चात पुन: पार्टी में आ जाते है, जिसके कारण निष्ठावान कार्यकताओं को कॉफी गहरा लगता है।

गाड़ियों से ब्लैक फिल्म उतारकर ट्रैफिक पुलिस ने की कार्रवाई

रायपुर। सड़क सुरक्षा जागरूकता माह संपन्न होने के बाद सभी चीजें बंद हो गई है, यह नहीं सोचना चाहिए। नियम पालन के साथ-साथ नियम तोडने के मामले में ट्रैफिक पुलिस की कार्यवाही जारी है। उसने ब्लैक फिल्मों को हटवाने का अभियान शुरू किया। इसके जरिए उन लोगों का घमंड तोड़ा जा रहा है जो इसके जरिए यह दिखाने की चेष्टा कर रहे थे कि वे कार्यवाही से बचे रहेंगे। लाखों की गाडियों में अवैध रूप से ब्लैक फिल्म लगाने को लेकर कुछ लोगों को बराबर भ्रम बना रहा कि इस पर कुछ हो ही नहीं सकता। कोरबा जिले और आसपास के क्षेत्रों से संबंधित ऐसी गाडियों को अब विभिन्न प्वाइंट पर निगरानी में रखा जा रहा है। अफसरों के निर्देश पर मैदानी अमले ने कार्यवाही तेज की। स्थानीय स्टाफने शुक्रवार को ऐसी अनेक गाडियों को रूकवाया और बिना किसी मुरौव्वत के उनमें लगी ब्लैक फिल्मों को हटा दिया। हालांकि इस दौरान वाहन चालकों ने धमक दिखाने की कोशिश की लेकिन एक नहीं चली। पुलिस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षा को लेकर जो गाइड लाइन जारी किए हैं उसे तो मानना ही पड़ेगा। गाडियों में अगर ब्लैक फिल्में लगाई गई है तो यह उदासीनता व उपेक्षा है।

धारदार चाकू के साथ युवक पकड़ाया

रायपुर। राजधानी रायपुर की खमतराई थाना पुलिस ने डब्ल्यूआरएस कालोनी में एक लोहे का धारदार चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहे एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार आज दिनांक 13.02.2026 को थाना खमतराई को सूचना मिली की एक व्यक्ति पुराना डीआरएम ऑफिस के सामने रोड़ डब्ल्यूआरएस कालोनी में एक लोहे का धारदार चाकू लेकर हवा में लहराकर आने जाने वाले आम लोगों को डरा धमका रहा है की सूचना पर पर तत्काल खमतराई पुलिस टीम द्वारा पुराना डीआरएम ऑफिस के सामने रोड़ डब्ल्यूआरएस कालोनी के पास पहुंचकर एक व्यक्ति हाथ में धारदार चाकू लेकर हवा में लहराते मिला। जिसे घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ करने पर अपना नाम लक्की उर्फधनंजय पटनायक पिता सुभाष पटनायक उम्र 21 वर्ष सा. डब्ल्यूआरएस कालोनी खमतराई रायपुर का होना बताये।

11.75 करोड़ के 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

मजबूत समाज के निर्माण से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव

■ झरिया यादव महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री साय : मंगल भवन एवं सांस्कृतिक मंडप निर्माण की घोषणा, 11.75 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

रायपुर/ संवाददाता

झरिया यादव महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए मुख्यमंत्री श्री साय: मंगल भवन एवं सांस्कृतिक मंडप निर्माण की घोषणा, 11.75 करोड़ के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण मजबूत समाज से ही समृद्ध और सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। सामाजिक समरसता, जागरूकता और सामूहिक चिंतन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी जा सकती है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज जशपुर जिले के कुनकुरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम खारीझरिया में आयोजित झरिया यादव महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने खारीझरिया में मंगल भवन एवं सांस्कृतिक मंडप निर्माण की घोषणा की। साथ ही बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे महासम्मेलन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने और समाज को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, शिक्षा और समग्र विकास के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। उन्होंने शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए समाज के प्रबुद्धजनों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में विशेष प्रयास कर रही है। आज प्रत्येक विकासखंड में महाविद्यालय

संचालित हैं तथा प्रदेश में मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे महत्वपूर्ण संस्थान उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय महत्व के संस्थान भी निरंतर स्थापित किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यादव समाज की गौसेवा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के वंशज के रूप में समाज ने सदियों से गौवंश संरक्षण और सेवा का अनुकरणीय कार्य किया है। उन्होंने नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए भी आगे आने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने राज्य सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले दो वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रदेश की जनता से की गई अधिकांश गारंटियों को पूरा किया गया है। प्रथम कैबिनेट निर्णय में 18 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए गए, जिससे प्रदेश में आवास क्रांति की शुरुआत हुई। उन्होंने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत लगभग 70 लाख माताओं-बहनों के खातों में अब तक 15 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। कृषक उन्नति योजना के तहत 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी की जा रही है तथा होली पर्व से पूर्व अंतर की राशि किसानों को प्रदान की जाएगी।वनवासी परिवारों के हित में तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा की गई है, जिससे संग्राहक परिवारों को सीधा लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कुनकुरी विधानसभा क्षेत्र में 11 करोड़ 75 लाख 94 हजार रुपये की लागत से 6 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 9 करोड़ 42 लाख 48 हजार रुपये की लागत के 5 विकास कार्यों का भूमिपूजन तथा 2 करोड़ 33 लाख 46 हजार रुपये की लागत के एक विकास कार्य का लोकार्पण शामिल है। कार्यक्रम में झरिया यादव समाज के प्रदेशाध्यक्ष श्री जगनिक यादव सहित समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 22 को

■ दिव्यांगजनों के सहलेखक के लिए अनुमति लेने के लिए कलेक्टर अथवा आयोग से पांच दिन पूर्व संपर्क करे

रायपुर। संवाददाता

छग लोक सेवा आयोग द्वारा 22 फरवरी को लिखित परीक्षा 33 जिलों में दो सत्रों में ली जाएगी। इसमें दिव्यांगजनों के लिए सहलेखक की सुविधा दिये जाने अथवा रखे जाने की अनुमति दिये जाने के संबंध में 26 नवंबर 2025 में जारी किये गये हैं। अत: ऐसे सभी दिव्यांग अभ्यर्थी जिनमें द्वारा ऑन लाइन आवेदन पत्र के माध्यम से सह लेखक की व्यवस्था करने का विकल्प चयन किया गया है। वे अभ्यर्थी सहलेखक के साथ सहलेखक रखे जाने की अनुमति लेने के संबंध में अथवा जिन्होंने जिला संभाग कार्यालय के सहलेखक उपलब्ध कराने का विकल्प लिया है वह विज्ञापन में उल्लेखित प्रमाण पत्रों के साथ पांच दिवस पूर्व आयोग अथवा जिला कलेक्टर कार्यालय से अनिवार्य संपर्क करें। आयोग के सचिव द्वारा जारी निर्देशानुसार अभ्यर्थी जिन्हें सहलेखक सेवा परीक्षा २०२५ के केलकुटर का राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में केलकूटर का उपयोग नहीं कर सकेंगे। अभ्यर्थी सह लेखक के साथ अपने डिजिटल डायरी केलकूटर, फोन पेजर, स्मार्ट वॉच लाना पूर्णत: प्रतिबंधित कर दिया गया है। सचिव लोक सेवा आयोग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लोक सेवा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा २०२५ की लिखित परीक्षा 22 फरवरी २०२६ को दो सत्रों में आयोजित की गई है। जिन 33 जिलों में यह परीक्षा आयोजित की जाएगी। वे है सरगुजा अंबिकापुर, कोरिया, बैकुंठपुर, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग, महासमुंद, रायगढ़, रायपुर, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, भाठापारा, बलरामपुर, रामानुजगंज, सूरजपुर, गरियाबंद, नारायणपुर, कोंडागांव, सुकमा, बेमेतरा, बालोद, गोरेला पेंड्रा, मुंगेली खैरागढ़, चिरमिरी, मोहला मानपुर, सारंगढ़ बिलाईगढ़ में दो सत्रों में आयोजित की गई है।

25 लाख रुपये मूल्य का पैक्ड सेफ्रान ब्लेंडेड सितार जब्त

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन एवं खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नियंत्रक दीपक कुमार अग्रवाल व कलेक्टर डॉ गौरव सिंह निर्देशानुसार प्राप्त सूचना के आधार पर 11 फरवरी की मध्य रात्रि में रायपुर में बड़ी कार्रवाई की गई। खाद्य सुरक्षा टीम ने ट्रांसपोर्ट नगर, रावांभाटा स्थित मउरानीपुर लॉजिस्टिक प्रा. लि., पार्किंग नंबर 09 में दबिश देकर 170 बोरियों में रखे लगभग 5,950 किलोग्राम पैक्ड सेफ्रॉन ब्लेंडेड सितार को जब्त किया। जब्त सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग 25 लाख रुपये बताया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उक्त माल का परिवहन, विक्रय एवं भंडारण किशन यादव एवं रामभरोसे यादव द्वारा किया जा रहा था। मौके पर उपस्थित प्रभारी शिवम यादव एवं सतगुरूशरन यादव से पूछताछ की गई।

कांग्रेस के लिए भूपेश और विकास उपाध्याय ने संभाली कमान

असम के विकास के लिए मोदी और हिमंता शर्मा का नेतृत्व जरूरी -साव

■ असम की जनता ने ठाना है, भाजपा को जिताकर विकसित असम बनाना है : उप मुख्यमंत्री अरुण साव

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के भाजपा एवं कांग्रेस के शीर्ष नेताओं को आगामी विस चुनाव असम में प्रचार के लिए भेजा जा रहा है कांग्रेस की ओर से भूपेश बघेल और पर्यवेक्षक विकास उपाध्याय बनाये गये है। वहीं भाजपा की ओर से अरूण साव ने भी चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि असम में मोदी के नेतृत्व में विकास हो रहा है इसलिए एक बार भाजपा की मजबूत सरकार बनाना है। उन्होंने यहां पर साहू समाज सहित अन्य वर्गों के साथ संपर्क किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने आज अपने तीन दिवसीय असम प्रवास के दूसरे दिन लखीमपुर क्षेत्र के भीमपारा में एक भव्य जनसभा को संबोधित किया। श्री साव ने कहा कि असम की जनता ने विकास और सुशासन के पक्ष में अपना मत देकर विकास को चुना और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन पर मुहर लगाया। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा जी के कुशल नेतृत्व में असम का विकास भारत की प्रगति में बड़ा स्थान रखता है, जनता का विश्वास मोदी जी और हिमंता जी के साथ है। डिप्टी सीएम साव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं जनता का मन पढ़ना जानता हूं, असम कह रहा है एक बार फिर भाजपा सरकार। डिप्टी सीएम श्री साव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा जी के कुशल नेतृत्व में असम ने विकास के नए शिखर को छुआ है।

प्रेस क्लब में पदाधिकारियों ने एक महीने के काम काज की समीक्षा...

■ होली में रंगोत्सव का आयोजन तीन एवं चार को होगा

■ सदस्यों के हित में अनेक योजनाओं का होगा क्रियान्वयन

रायपुर/ संवाददाता

प्रेस क्लब की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का एक माह पूरा होने पर आज एक समीक्षा बैठक की। अध्यक्ष मोहन तिवारी के नेतृत्व में कार्यकारिणी केसदस्यों ने बैठक में पिछले एक महीने में हुए कामों पर चर्चा की गई और आने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई। अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि नई टीम ने शुरुआत से ही सदस्यों के वेलफेयर और सहभागिता वाले कार्यक्रमों पर फोकस किया है इस दौरान बसंतोत्सव सरस्वती पूजन,26 जनवरी पर बार नवापारा भ्रमण(पिकनिक कार्यक्रम) और पत्रकार साथियों के लिए जादूगर ओपी शर्मा का फ्री मैजिक शो आयोजित किया गया। कई सालों से बंद खेल मड़ई को फिर से शुरू करते हुए स्वर्गीय कुलदीप निगम स्मृति इंटर-प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें 22 टीमें हिस्सा ले रही हैं। पहली बार महिला क्रिकेट टीम को भी खेलने का मौका दिया गया है। सदस्यता को लेकर किसी विवाद में पड़े बिना नए साथियों को भी टूर्नामेंट में शामिल होने की अनुमति देकर कार्यकारिणी ने अपनी सकारात्मक और मंशा स्पष्ट की है। बैठक में महासचिव गौरव शर्मा उपाध्यक्ष दिलीप साहू कोषाध्यक्ष दिनेश यदु के साथ वर्चुअल माध्यम से संयुक्त सचिव भूपेश जांगड़े और निवेदिता साहू से चर्चा कर आने वाले एक महीने के प्रमुख कार्यक्रम तय किए गए... जिसमें 21 फरवरी को वरिष्ठ पत्रकार स्व. मधुकर खेर की जयंती पर श्रद्धांजलि एवं स्मृति कार्यक्रम। 3 और 4 मार्च को दो दिन का भव्य प्रेस क्लब रंगोत्सव रंगोत्सव के तहत प्रेस क्लब परिसर को खास थीम पर सजाया जाएगा। होली की पूर्व संध्या और होली के दिन गीत-संगीत, हास्य-व्यंग्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और ओपन माइक का आयोजन होगा, जिसमें प्रेस क्लब के सदस्य अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे। 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस प्रेस क्लब में विशेष और भव्य रूप से मनाया जाएगा।

बैजनाथपारा क्षेत्र में देर रात्रि घूमने वाले संदिग्ध व्यक्ति यों पर की गई प्रतिबंधात्मक कार्यवाही

रायपुर। कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन अंतर्गत कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा रात्रिकालीन संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से डीसीपी सेंट्रल जोन के सख्त निर्देशन में लगातार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पूर्व दिवस बैजनाथपारा क्षेत्र में देर रात्रि शटर की आड़ में अवैध एवं संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त दुकानदारों एवं खरीददारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की गई थी, जिसके पश्चात क्षेत्र में पुलिस निगरानी और अधिक सघन कर दी गई है। इसी क्रम में दिनांक 13/02/2026 को थाना सिटी कोतवाली रायपुर द्वारा बैजनाथपारा इलाके में देर रात्रि संदिग्ध रूप से घूम रहे ऐसे व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, जिनके द्वारा लोक शांति भंग होने की आशंका प्रतीत हो रही थी। रात्रि गश्त के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में पाए गए व्यक्तियों के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली रायपुर से इस्तगासा तैयार कर विधिसम्मत प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही के अंतर्गत शेख रियाज (49 वर्ष), विकास निषाद (20 वर्ष), धीरज टंडन (19 वर्ष) एवं राजेश साहू (44 वर्ष) को अनावेदक बनाते हुए आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण कर माननीय सक्षम न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

गुजरात के बनासकांठा की डेयरी क्रांति से सीख लेने पहुँचा छत्तीसगढ़ का दल

■ उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप ने पशुपालकों एवं बिहान दीदियों के साथ किया आधुनिक डेयरियों का भ्रमण

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप ने गुजरात के मेहसाणा जिले के बनासकांठा स्थित प्रसिद्ध दूधसागर डेयरी, बनास डेयरी एवं अमूल डेयरी का पशुपालकों एवं बिहान दीदियों के साथ शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने डेयरी की आधुनिक कार्यप्रणाली, तकनीकी नवाचारों और सहकारी मॉडल का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को डेयरी के अधिकारियों द्वारा संपूर्ण उत्पादन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। उपमुख्यमंत्री एवं वन मंत्री ने डेयरी प्लांट, बायो-सीएनजी प्लांट, खाद्य तेल इकाई, आटा प्लांट तथा शेरपुरा डेयरी कोऑपरेटिव सोसायटी का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को करीब से समझा। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह भ्रमण केवल अवलोकन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे सीखकर छत्तीसगढ़ में लागू करने का अवसर है। उन्होंने प्रतिभागियों से सफल डेयरी मॉडल, दुग्ध संकलन प्रणाली, गुणवत्ता नियंत्रण, प्रसंस्करण तकनीक और विपणन व्यवस्था का गहन अध्ययन करने को कहा।उन्होंने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण से प्रतिभागियों को संतुलित चारा विकास, उन्नत पशुपालन तकनीक, दुग्ध प्रसंस्करण, डेयरी उत्पाद निर्माण तथा विपणन की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण महिलाओं और पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। बिहान समूहों के माध्यम से महिलाओं को संगठित कर आर्थिक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है, वहीं पशुपालन विभाग द्वारा दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और आय संवर्धन के लिए विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। वन, पर्यावरण एवं सहकारिता मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि डेयरी सहकारी मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का सशक्त माध्यम है। यदि इस मॉडल को छत्तीसगढ़ में प्रभावी ढंग से अपनाया जाए तो पशुपालकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उल्लेखनीय है कि इस शैक्षणिक भ्रमण में 50 सदस्यीय दल ने उन्नत पशुपालन एवं डेयरी प्रबंधन सीखने के लिए भाग लिया है। जिसमें 25 पशुपालक एवं 25 बिहान (एनआरएलएम) समूह की दीदियाँ शामिल है।

मैनपाट महोत्सव 2026 : प्रकृति, संस्कृति और विकास का संगम

मैनपाट महोत्सव में छत्तीसगढ़ी लोकगायक एवं स्थानीय प्रतिभाओं ने बिखेरा हुनर का जलवा

■ भोजपुरी मशहूर गायक ने मनोज तिवारी की प्रस्तुतियों ने बाँधा समां

■ भोजपुरी गायक मनोज तिवारी ने भोजपुर गीतों के साथ साथ छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट सज रहा है जिले के विकास कार्यों की सौगात का किया उल्लेख

रायपुर/ संवाददाता

सरगुजा जिले के पर्यटन स्थल मैनपाट के रोपाखार जलाशय के समीप आयोजित तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव 2026 का शुभारंभ भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और विकास की प्रतिबद्धता के संदेश के साथ हुआ। प्रकृति की गोद में आयोजित इस महोत्सव ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा, स्थानीय प्रतिभाओं और राज्य सरकार की विकासपरक सोच का सशक्त प्रदर्शन किया। महोत्सव के विशेष आकर्षण के रूप में आमंत्रित सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायक मनोज तिवारी ने अपनी सुमधुर प्रस्तुतियों में ओ राजा जी ऐकरे त रहल हो हां जरूरत महूरत खुबसूरत हो और रिंकिया के पापा गीतों ने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने लोकप्रिय भोजपुरी गीतों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ का शिमला मैनपाट सज रहा है गीत में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जिले को प्रदान की गई 500 करोड़ से अधिक की विकास कार्यों की सौगातों का उल्लेख करते हुए,राज्य सरकार की विकासपरक नीतियों की सराहना की। उन्होंने छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया हमको आज लग रहा है गीत से अभिवादन किया। विकास और संस्कृति के इस संगम ने दर्शकों में उत्साह का संचार किया और पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। महोत्सव के सांस्कृतिक मंच पर कला, परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने अपनी विविध प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को भव्य और यादगार बना दिया। प्रत्येक प्रस्तुति ने दर्शकों को एक अलग सांस्कृतिक अनुभव प्रदान किया और पूरे आयोजन स्थल को उत्साह, उमंग और तालियों की गूंज से भर दिया।

संपादकीय

सूरजकुंड मेले में हादसे ने खोली प्रशासनिक लापरवाही

किसी भी तरह के हादसे के बाद यह मान लिया जाता है कि इसकी वजह किसी की चूक या फिर कोई तकनीकी गड़बड़ी होगी और जांच का सिरा भी आमतौर पर इसी दिशा में आगे बढ़ता है। अगर कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब सरकार की ओर से कार्रवाई के नाम पर निचले स्तर के कुछ लोगों को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की जाती है और इसके लिए जिम्मेदार उच्च अधिकारियों या अन्य लोगों को प्रकारांतर से बख्श दिया जाता है।यह बेवजह नहीं है कि हादसे के मूल कारण बने रह जाते हैं और कुछ समय बाद फिर उसी तरह की घटना सामने आती है। हरियाणा के फरीदाबाद में सूरजकुंड मेले में जिस तरह एक विशाल झूले के टूट जाने से एक पुलिस निरीक्षक की जान चली गई और बारह अन्य लोग घायल हो गए, वह प्रशासनिक स्तर पर बरती गई घोर लापरवाही का एक और उदाहरण है।झूले पर गए लोगों ने यह सोचा भी नहीं होगा कि मनोरंजन के बजाय एक घातक हादसे का खतरनाक अनुभव उनकी जेहन में लंबे समय तक के लिए घर बना लेगा। हादसे के बाद झूला संचालक और एक अन्य कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया, लेकिन क्या इस तरह नाममात्र के लिए की गई कार्रवाई यह सुनिश्चित कर सकता है कि भविष्य में ऐसा हादसा नहीं होगा?ऐसा लगता है कि उदासीनता और लापरवाही सरकारी महकमों की कार्यशैली बन चुकी है। आमतौर पर निचले स्तर के कुछ आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करके मामले का हल मान लिया जाता है और शायद ही कभी हादसों के वास्तविक जिम्मेदार लोगों को कठघरे में लाया जाता है। नतीजतन, हादसे एक सिलसिले की तरह कायम रहते हैं। सूरजकुंड मेले में जो झूला टूटा, निश्चित रूप से चलाने के पहले उसकी जरूरी जांच में लापरवाही बरती गई होगी और किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज किया गया होगा।सवाल है कि किसी भी झूले के संचालन से पहले हर स्तर पर उसकी पुख्ता सुरक्षा जांच में खरा उतरने के बाद ही उसे चलाने की इजाजत देने के लिए क्या सरकार की ओर कोई तंत्र गठित किया गया है। मेले के आयोजन की इजाजत देते हुए उसमें होने वाली गतिविधियों का पूरी तरह सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना किसकी जिम्मेदारी थी? क्या सरकार ने इसके लिए जवाबदेह किसी उच्च स्तर के अधिकारी को भी कार्रवाई के दायरे में लाने की कोशिश की?अब मामले की गंभीरता के मद्देनजर एक विशेष जांच टीम (एसआइटी) का गठन किया गया है। जांच के दायरे में झूला लगाने, उसका रखरखाव, निरीक्षण और संचालन से जुड़े लोगों से पूछताछ हो सकती है। मगर इस तरह की जांच के निष्कर्ष इस बात पर निर्भर करते हैं कि इसके लिए तकनीकी प्रमाणपत्र जारी करने वाले अधिकारी से पूछताछ, झूले के सभी कल-पुर्जों के सही होने की रपट और सुरक्षा मानकों के अनुपालन से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में कितनी पारदर्शिता बरती जाएगी और असली दोषियों को कानून के कठघरे में लाने को लेकर कितनी ईमानदार इच्छाशक्ति दिखाई जाएगी।

इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी और यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। जापान में निचले सदन के चुनाव परिणाम ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू कर दिया है। इस चुनाव में प्रधानमंत्री सना ए. ताका इची के नेतृत्व वाली लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल की है। पहले चरण के मतगणना के परिणामों के अनुसार ताका इची की पार्टी अकेले ही निचले सदन में 316 सीटें जीतने में सफल रही तथा उसने गठबंधन सहयोगी के साथ मिलकर कुल 352 से अधिक सीटों का दो-तिहाई बहुमत हासिल कर लिया। इस प्रकार वह अकेले ही अपनी पार्टी के बहुमत से कहीं आगे निकल गईं और विपक्ष को भारी पराजय का सामना करना पड़ा। इस चुनाव को राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने इसलिए भी महत्वपूर्ण बताया क्योंकि प्रधानमंत्री ताका इची ने महज कुछ ही महीनों पहले सत्ता संभाली थी

जापान में सना ए. ताका इची को प्रचंड जनादेश और विपक्ष का सूपड़ा साफ कर जनता ने क्या संदेश दिया?

(नीरज कुमार दुबे)

यह उनका पहला आम चुनाव था। उन्होंने तीन महीने पहले ही निचले सदन को भंग कर दिया था ताकि जनता से स्पष्ट जनादेश लिया जा सके। चुनाव के दिन भी देश के कई हिस्सों में जोरदार बर्फबारी और ठंडे मौसम के कारण मतदान केन्द्रों पर कठिन परिस्थितियाँ पैदा हुईं, लेकिन इसके बावजूद मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षाकृत मजबूत रही। यह दर्शाता है कि जापानी जनता ने ठंडे मौसम और मुश्किल हालात के बावजूद महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसले में भाग लेने की प्रतिबद्धता दिखाई।इस चुनाव में विपक्षी दलों को जिस प्रकार की पराजय मिली, वह जापानी राजनीति के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा घटनाक्रम था। मुख्य विपक्षी गठबंधन और छोटे दलों ने जिस तरह अपनी सीटें गंवाईं, उससे स्पष्ट होता है कि इस समय जनता ने ताका इची के नेतृत्व को अधिक भरोसेमंद और स्थिर विकल्प के रूप में चुना। अधिकांश विश्लेषकों का मानना है कि मतदान के पीछे मुख्य कारण आर्थिक और सामाजिक मुद्दों के साथ सुरक्षा नीतियों पर मतदाताओं की चिंताएँ थीं, जिनके प्रति उन्होंने ताका इची की स्पष्ट सोच को प्राथमिकता दी।

ताका इची की जीत का विश्लेषण करते हुए कहा जा सकता है कि यह सिर्फ संख्या की जीत नहीं है, बल्कि यह एक राजनैतिक विश्वास का जनादेश भी है। जापान पिछले कुछ वर्षों से बढ़ते आर्थिक दबाव, बुजुर्ग आबादी से जुड़ी सामाजिक चुनौतियों और बढ़ते क्षेत्रीय तनावों के बीच अपना रास्ता ढूंढ़ रहा है। चीन के साथ संबंधों में तनाव, ताइवान को लेकर बदलती भू-राजनीति तथा अमेरिका के साथ सुरक्षा साझेदारी जैसी विषयों को लेकर जनता के भीतर मजबूत भावनाएँ हैं। ताका इची ने चुनाव के दौरान स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया था कि जापान को न केवल आर्थिक सुधारों की आवश्यकता है बल्कि उसे अपनी रक्षा और वैश्विक भूमिका को भी मजबूती से परिभाषित करना होगा।

हम आपको बता दें कि सना ताका इची स्वयं एक लंबा राजनीतिक अनुभव लिये हुए हैं। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा 1990 के दशक में संसद सदस्य के रूप में शुरू की थी और समय-समय पर कई महत्वपूर्ण विभागों तथा मंत्रालयों में काम किया। अपने अनुभव, दृढ़ नीतियों और स्पष्ट विचारधारा के कारण उन्हें पार्टी में एक मजबूत छवि मिली। वह इस चुनाव से पहले जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं और इस जीत ने उन्हें अपनी पार्टी तथा जनता दोनों से मजबूत समर्थन दिलाया है। ताका इची ने अपने राजनीतिक कॅरियर में व्यापक

विषयों पर सार्वजनिक रूप से अपने दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया है, जिनमें आर्थिक नीतियाँ, सामाजिक सुधार, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा जापान की अंतरराष्ट्रीय भूमिका शामिल हैं।

उनके नेतृत्व में पार्टी की जीत का एक प्रमुख कारण यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने आर्थिक स्थिरता, रोजगार सृजन और सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को चुनाव में प्रमुख मुद्दों के रूप में उठाया। जापान की अर्थव्यवस्था बड़े कर्ज़, कम उत्पादन वृद्धि और बढ़ते जीवनयापन लागत जैसी समस्याओं का सामना कर रही थी, जिनके समाधान के लिये जनता अधिक ठोस नीतियों की उम्मीद कर रही थी। ताका इची ने यह विश्वास दिलाया कि उनकी सरकार इन समस्याओं के समाधान के लिये गंभीर प्रयास करेगी और एक दीर्घकालिक आर्थिक सुधार योजना लागू करेगी।

सुरक्षा मामलों में उनकी विचारधारा और भी अधिक स्पष्ट रही है। उन्होंने बार-बार यह कहा कि जापान को अपनी रक्षा नीतियों को अधिक आत्मविश्वास तथा स्वतंत्रता के साथ परिभाषित करना चाहिए। अमेरिका के साथ रक्षा साझेदारियों को और मजबूती प्रदान करना, क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग को बढ़ाना तथा चीन और उत्तर कोरिया जैसे पड़ोसी देशों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना उनकी प्राथमिकता रही है। इस दृष्टिकोण ने उन मतदाताओं को प्रभावित किया जो जापान की क्षेत्रीय स्थिति को एक जटिल तथा बढ़ती चुनौतियों वाला क्षेत्र मानते हैं। वैश्विक स्तर पर भी इस चुनाव के परिणाम का प्रभाव देखा जा रहा है। इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में जापान की भूमिका महत्वपूर्ण है और ताका इची की जीत ने यह संकेत दिया है कि जापान वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था तथा आर्थिक साझेदारियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाने के लिये तैयार है। यह क्षेत्रीय स्थिरता, मुक्त व्यापार और सहयोग के लिये एक सकारात्मक संकेत है। जापान की बढ़ती भूमिका ने अमेरिका तथा अन्य मित्र देशों के साथ मिलकर कई साझेदारी योजनाओं को गति दी है और यह उम्मीद जताई जा रही है कि ताका इची सरकार इस दिशा को और मजबूती से आगे बढ़ाएगी। साथ ही भारत-जापान के बीच लंबे समय से मजबूत द्विपक्षीय संबंध रहे हैं। इसी कड़ी में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ताका इची को उनकी शानदार जीत पर व्यक्तिगत रूप से बधाई दी है। मोदी ने यह स्पष्ट किया कि भारत और जापान दोनों ही लोकतंत्रों के साझा मूल्यों, क्षेत्रीय स्थिरता तथा आर्थिक सहयोग के लिये दृढ़ संकल्पित हैं। मोदी की बधाई इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत जापान के साथ साझेदारी को और गहरा करना चाहता है, विशेष रूप से रक्षा, प्रौद्योगिकी, व्यापार तथा क्षेत्रीय सामरिक सहयोग जैसे क्षेत्रों में। यह बधाई न केवल व्यक्तिगत सम्मान का प्रतीक है, बल्कि इसका व्यापक महत्व यह है कि भारत दोनों देशों के बीच एक साझा रणनीतिक दृष्टिकोण को और अधिक मजबूत करना चाहता है। भारतीय-जापानी सहयोग का दायरा हाल के वर्षों में लगातार बढ़ा है और इस चुनाव के परिणाम ने इसे और प्रोत्साहन दिया है। बहरहाल, 2026 का यह जापान चुनाव परिणाम दिखाता है कि जनता ने ठोस नेतृत्व, स्पष्ट नीतियों तथा देश की रणनीतिक दिशा को समर्थन दिया है। सना इची की जीत सिर्फ एक संसदीय बहुमत नहीं है, बल्कि यह जापान के भविष्य की दिशा को लेकर एक व्यापक विश्वास का प्रतीक भी है। यह जीत जापान को आर्थिक, सामाजिक और सामरिक रूप से एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिये तैयार कर देती है और अब वैश्विक राजनीति में उसकी भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण बनने वाली है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लोकतंत्र की सफलता के लिए पढ़ने वाला समाज चाहिए

(पंकज पराशर)

किसी भी समाज की बौद्धिक स्थिति का आकलन इस बात से नहीं किया जा सकता कि वहां सूचना के कितने स्रोत उपलब्ध हैं, बल्कि इससे किया जाता है कि लोग उन सूचनाओं को किस गहराई से पढ़ते, समझते और आत्मसात करते हैं। सवाल यह नहीं है कि शब्द कम हो गए हैं, वास्तव में शब्द पहले से कहीं अधिक हैं। सवाल यह है कि क्या उन शब्दों के पीछे विचार भी बचा है?

आज का भारत तकनीकी रूप से अधिक सक्षम है, साक्षरता का दायरा पहले से बढ़ा है और सूचनाओं तक पहुंच अभूतपूर्व रूप से आसान हुई है। इसके बावजूद पढ़ने की आदत में आई गिरावट एक गंभीर सामाजिक संकेत है। लंबे लेख धैर्य की परीक्षा लगने लगे हैं, किताबें समय की बर्बादी समझी जाने लगी हैं और गहराई से सोचने वाली सामग्रियों को अक्सर 'भारी' या 'अप्रासंगिक' कहकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। हम शीर्षक और निष्कर्ष पढ़कर अपनी राय बना लेना चाहते हैं, बिना उस वैचारिक प्रक्रिया से गुजरे, जो किसी भी लेखन का वास्तविक उद्देश्य होती है। यह बदलाव केवल जीवन-शैली का नहीं है, मानसिक अनुशासन का है। पढ़ना एक सक्रिय बौद्धिक प्रक्रिया है। इसके लिए एकाग्रता, समय और आत्म-संवाद की आवश्यकता होती है। जब कोई समाज पढ़ने से बचने लगता है, तो वह धीरे-धीरे गहराई से सोचने से भी कतराने लगता है। ऐसे में, विचार की जगह त्वरित प्रतिक्रिया ले लेती है और संवाद की जगह शोर। यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती।

पढ़ने की घटती प्रवृत्ति ने सार्वजनिक बहस की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। आज विमर्श का केंद्र तथ्य या तर्क नहीं, बल्कि प्रभाव व प्रतिक्रिया बन गया है। गहन अध्ययन के बिना बनी राय अक्सर कट्टरता की ओर झुकती है। असहमति संवाद का माध्यम बनने के बजाय टकराव का कारण बन जाती है। लोकतंत्र के लिए यह गंभीर चुनौती बन गई है, क्योंकि लोकतंत्र केवल मतदान से नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण संवाद से जीवित रहता है। जब पढ़ना कम होता है, तो समाज में सहनशीलता और संवेदनशीलता भी घटने लगती है। तब 'दूसरा' व्यक्ति या विचार सहज संदेह और विरोध का विषय बन जाता है। इसीलिए पढ़ने की संस्कृति को पुनर्जीवित करना केवल शैक्षिक या सांस्कृतिक प्रश्न नहीं है, यह सामाजिक संतुलन और लोकतांत्रिक स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ प्रश्न है। जब नागरिक पढ़ते हैं, तब वे केवल सूचित नहीं होते, बल्कि जिम्मेदार भी बनते हैं और जिम्मेदार नागरिक ही किसी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं।

आज नई पीढ़ी अपनी ही भाषा में लंबे लेख या पुस्तकें पढ़ने से असहज महसूस करने लगी है। शब्दावली सीमित हो रही है, वाक्य छोटे होते जा रहे हैं और अभिव्यक्ति की क्षमता कमजोर पड़ रही है। अक्सर तर्क दिया जाता है कि समय बदल गया है और पढ़ने के तरीके भी बदलेंगे। यह बात आंशिक रूप से सही हो सकती है। माध्यम बदलना स्वाभाविक है, पर अध्ययन की गहराई का समाप्त हो जाना स्वाभाविक नहीं माना जा सकता। सवाल यह है कि क्या हम ऐसे नागरिक तैयार करें, जो केवल सूचना का उपभोग करते हैं या हमें ऐसे नागरिक चाहिए, जो विचार करने का साहस रखें? तकनीक से दूरी समाधान नहीं है, लेकिन तकनीक के साथ पढ़ने की संस्कृति को जीवित रखना अनिवार्य है। स्कूलों-विश्वविद्यालयों में पठन को फिर से केंद्रीय स्थान देना होगा। पढ़ना केवल पाठ्यक्रम का हिस्सा न रहकर एक बौद्धिक आदत बने, इस दिशा में प्रयास आवश्यक हैं। घरों में किताबें फिर से बातचीत का विषय बनें, वे केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी का साधन न रहें। मीडिया को भी विचारोत्तेजक लेखन के लिए स्थान बनाना उसकी जिम्मेदारी है।

भारत यदि स्वयं को ज्ञान आधारित समाज के रूप में स्थापित करना चाहता है, तो उसे पाठक आधारित समाज भी बनना होगा। पढ़ना कोई विलास या विशिष्ट वर्ग की आदत नहीं है, यह एक जागरूक नागरिक की बुनियादी आवश्यकता है। जो समाज पढ़ता है, वही सवाल करता है और जो सवाल करता है, वही अपने भविष्य की दिशा स्वयं तय करता है। अपढ़ समाज में विचार भी धीरे-धीरे मौन हो जाते हैं और विचारों का मौन हो जाना किसी भी राष्ट्र के लिए सबसे बड़ा संकट होता है। (लेखक प्राध्यापक, अलीगढ़ मुस्लिम विवि है)। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

आलोचना से नफरत तक, मोदी-विपक्ष संबंध और संसदीय जनतंत्र का नैतिक संकट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विपक्ष के बीच संबंध समकालीन राजनीति में विमर्श का एक महत्त्वपूर्ण विषय बन गया है। जनतंत्र में सत्ता और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप, नोक-झोंक तथा टकराव अस्वाभाविक नहीं है। पर जो स्वाभाविक नहीं है, वह है शाब्दिक हिंसा और अमर्यादित आलोचना। यह संसदीय जनतंत्र की गिरावट के लक्षणों में से एक होता है। ऐसे में मर्यादा, सभ्य आचरण और चरित्र निष्प्रभावी लगने लगा है। वह जनमानस की अपेक्षा और राजनीतिक व्यवहार में बड़ा अंतर पैदा करने लगता है। धीरे-धीरे राजनीति से नैतिकता का संबंध समाप्त होने लगता है।

(राकेश सिन्हा)

मोदी ने विपक्ष के प्रति अपनी पीड़ा राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा के उत्तर में दिए गए अपने भाषण में व्यक्त की। पिछले एक दशक से अधिक समय से विपक्ष के निशाने पर भाजपा-आरएसएस कम और प्रधानमंत्री मोदी अधिक रहे हैं और उनके प्रति यह आक्रामकता सामाजिक-आर्थिक दर्शन पर नहीं होकर 'मोदी' पर है। विपक्ष की यह सबसे बड़ी भूल है।

प्रधानमंत्रियों के प्रति नापसंदगी पहले भी व्यक्त होती रही है। अटल बिहारी वाजपेयी को 'संघ का मुखौटा', इंदिरा गांधी को 'मोम की गुड़िया' मोरारजी देसाई को 'बड़े व्यावसायिक हितों का प्रतिनिधि', चरण सिंह को 'कुलक', राजीव गांधी को 'नासमझ' और जवाहरलाल नेहरू को 'अंतिम अंग्रेजी प्रधानमंत्री' कहा गया। आपातकाल के दौरान भी इंदिरा गांधी के लिए किसी ने काटने-मारने की भाषा का प्रयोग नहीं किया। पर तब और अब में जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। विपक्ष के खेमों से नफरती अभियान 'कब्र खुदेगी' जैसे नारों में दिखने लगा है। मोदी ने ऐसा क्या गुनाह किया कि विपक्ष हिंसक भाषा का उपयोग कर रहा है? इसका उत्तर समकालीन राजनीति की हकीकत को सामने लाता है।

दरअसल, मोदी की आध्यात्मिक प्रतिबद्धता ने भारत को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने में धर्मनिरपेक्षीय संकोच समाप्त कर दिया। विपक्ष का चिंतन समूह इससे घुटन महसूस कर रहा है। वह भारत में उपराष्ट्रीयताओं, भाषाई प्रतिद्वंद्विताओं और अल्पसंख्यकवादी विचारों का प्रतिष्ठित उत्पादक रहा था। उस वैचारिक कारखानों पर लगभग ताला लग गया है। ऐसे में छटपटाहट कोई आश्चर्य की बात नहीं है। वही कांग्रेस को संपूर्णानंद, केएम मुंशी, पट्टाभि सीतारमैया की भाषा बोलने नहीं देती है, जिसमें भारतीय सभ्यता के प्रति आदर था। हिंदुत्व विरोध के आधार पर अब राजनीति नहीं की जा सकती है। भले ही हिंदुत्व की परिभाषा संघ-भाजपा की शैली में नहीं हो, पर परिधि में आए बिना कांग्रेस या कोई अन्य दल अपने अस्तित्व को समृद्ध नहीं कर सकता है।

सत्ता और विपक्ष के बीच स्वस्थ आलोचनात्मक संबंध जनतंत्र को मजबूती देता है। एक बार वाजपेयी ने विपक्ष के लिए इस दोहे का प्रयोग किया था। 'निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय/ बिन पानी, साबुन बिना, निर्मल करे सुभाय।' यह तब संभव है जब विपक्ष में रचनात्मकता हो। शाहबानो मामले पर केंद्र सरकार के मंत्री आरिफ मुहम्मद खान कांग्रेस के खिलाफ हो गए थे। उन्होंने पार्टी छोड़ दी थी। राजीव गांधी ने उन्हें गद्दार नहीं कहा था। पर रवनीत सिंह बिट्टू का कांग्रेस छोड़ना राहुल गांधी की नजर में गद्दारी बन गया। जनतंत्र में विचारों का द्वंद्व व्यक्ति के मन में चलता रहता है और उसे अपने को बदलने का नैसर्गिक अधिकार होता है। इस

पर प्रहार करना जनतंत्र को कैद करने जैसा होता है।

एक समय था जब कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे आचार्य जेबी कृपलानी ने कांग्रेस छोड़ दी थी। तब संसद में कांग्रेस के सदस्य एमएन लिंगम ने कटाक्ष करते हुए उनसे पूछा था कि 'आपने कांग्रेस कब छोड़ी?' तो कृपलानी का जवाब था 'जब से कांग्रेस में भ्रष्टाचार और कमीशन का विषाणु आ गया।' उनकी पत्नी सुचेता कृपलानी कांग्रेस में ही रहीं और उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनीं। पीलू मोदी स्वतंत्र पार्टी के नेता थे। उन पर सत्तारूढ़ पार्टी सीआइए का एजंट होने का आरोप लगाती थीं। एक दिन वे अपने गले में 'मैं सीआइए का एजंट हूं' की पट्टी लगाकर संसद भवन में चारों तरफ घूम गए। समकालीन भारत में संसद और संसद के बाहर की संवाद शैली में कोई बुनियादी अंतर नहीं रह गया है। एक तरफ की बदजुबानी दूसरी तरफ को बदजुबानी का अवसर दे देती है। फिर टीवी स्टूडियो उसे खाद-पानी, प्रश्रय और प्रोत्साहन देते हैं।

भारतीय जनसंघ पचास-साठ के दशकों में सीमित प्रभाव वाली पार्टी थी। यह नेहरूवादी आर्थिक नियोजन से असहमत थी। तब जनसंघ के सिद्धांतकार पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'द टू प्लान्स' के नाम से वैकल्पिक आर्थिक दस्तावेज देश के सामने रखा। राम मनोहर लोहिया या जय प्रकाश नारायण के साथ राजनीतिक दस्तावेजों से लेकर राजनीतिक विमर्श होते रहते थे। तिब्बत के प्रश्न पर नेहरू की नीति के विरोध में जयप्रकाश नारायण का सारगर्भित भाषण आज भी उद्धृत होता है। 1989 में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ईएमएस नंबूदरीपाद ने पुस्तिका जारी की थी 'द आरएसएस एंड बीजेपी इन द सर्विस आफ राइट रिएक्शन'।

इसमें उन्होंने संघ और भाजपा को प्रतिक्रियावाद और दक्षिणपंथ का एजंट कहा। तब भाजपा ने 'द ग्रेट ब्रिटेयल' नामक पुस्तिका जारी कर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान कम्युनिस्टों की साम्राज्यवादियों के प्रति पक्षधरता को उजागर किया। इस तरह के वैकल्पिक दस्तावेज और कार्यक्रम आम लोगों का प्रबोधन होते हैं। इसका समाधान क्या है? आज की स्थिति में लोक पहल ही एकमात्र रास्ता है। जब स्वतंत्र रूप से निष्पक्षता से अधिक दूर रहे बिना बात कही और सुनी जाएगी, तब राजनीतिक विमर्श और संबंधों का परिष्कार संभव है। (यह लेखक के अपने विचार हैं)।

बंजारा समाज ने अपने धर्म गुरूजी संतश्री सेवालाल की 287वीं जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई, जिला स्तरीय रूप से लगातार दसवीं बार भव्य रूप से मनाई गई जयंती

कार्यक्रम में उमड़ी सामाजिक महिला-पुरुषों की भीड़

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय में भव्य रूप से संत श्री सेवालाल महाराज जी की 287वीं जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में जिला मुख्यालय कोंडागांव के चौपाटी मैदान में बंजारा समाज के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम की शुरूवात समाज की महिलाओ द्वारा कलश और पुरुष बच्चों युवाओ के द्वारा हाथों में झंडी लिए भव्य रूप में विशाल शोभायात्रा शहर के मुख्य मार्ग से नगर भ्रमण करते हुए सेवालाल चौक में एकत्रित होकर सामजिक रीतिरिवाज से सेवालाल महाराज जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कढ़ाव प्रसाद के रूप में भोग अर्पण किया गया जिसे प्रसाद के रूप के समाज के लोगो को बाटा गया। ततपश्चात पुनः कलश शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल चौपाटी मैदान पहुंची साथ ही कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि महेश कश्यप सांसद बस्तर, विशिष्ठ अतिथि सुश्री लतासेंडी विधायक कोंडागांव, नरपति पटेल अध्यक्ष नगर पालिका परिषद व अन्य जनप्रतिनिधि व बंजारा समाज सहित जिले के व अन्य जिले से आये समाज के पदाधिकारी वरिष्ठ लोगो का समाज के लोगो के द्वारा स्वागत किया गया। स्वागत पश्चात समाज प्रमुखों बंजारा महिला पुरुषो की उपस्थिति में बंजारा समुदाय के धर्मगुरु संत श्री सेवालाल और मेरामा (जगदम्बा भवानी) की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तद्पश्चात समाज के जिला अध्यक्ष सुखिया राम चौहान के द्वारा बस्तर सांसद को नवीन बंजारा भवन के बाउंड्री वाल के लिए दस लाख की माँग की गई, विधायक लता उसेंडी को सामजिक भवन में सेड निर्माण के लिये 10 लाख रूपये की माँग की गई ।

बंजारा समाज की संस्कृति है विश्व प्रशिद्धद्व महेश कश्यप

कार्यक्रम में सांसद महेश कश्यप द्वारा उद्बोधन के दौरान कहा गया कि बंजारा समाज के कार्यक्रम में प्रधारने का मौका मिला साथ ही उन्होंने बंजारा समाज के संस्कृति की तारीफ़करते हुए कहा बंजारा समाज की संस्कृति विश्व में प्रसिद्ध है. निरन्तर समाज में एकता के साथ चलने को कहा गया साथ ही समाज के बच्चों के शिक्षा स्तर को बताते हुए शिक्षा के महत्व को बताया गया, समाज का विकास शिक्षा के माध्यम से होता है इसलिए सभी को शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए शिक्षा के बिना समाज अधूरा है शिक्षा से ही समाज का विकास सम्भव है , समाज के द्वारा की गई मांग को उन्होंने सांसद निधि व नियमो में होगा तो जरूर पूरा करने की बात कही।

देश की प्रगति में है बंजारा समाज का भी योगदान- लता उसेंडी

बंजारा समाज को सम्बोधित करते हुए विधायक लता उसेंडी ने कहा, आज धीरे- धीरे हम सब आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं और यही मजबूती आने वाले समय में देश को शिखर में ले जा रहे हैं, उसमें हर समाज का योगदान है इस तरह देश की प्रगति में बंजारा समाज का भी अपना एक अलग योगदान है। संत सेवालाल जी के विषय में हम सब जानते हैं समाज को उन्होंने किस तरह से दिशा दिया और चलने के लिए शिक्षा प्रदान की और एक सुसज्जित समाज के रूप में आगे बढ़े और आप सभी को देखकर दूसरे समाज भी प्रेरणा ले। आज पुनः सेवालाल जी महाराज को प्रणाम करते हैं, सभी को संत सेवालाल जी महाराज की जयंती की ढेर सारी बधाई।कार्यक्रम समापन के दौरान कार्यक्रम में पधारे अतिथियो को समाज के सन्त गुरु सेवालाल जी का प्रतीक चिन्ह भेट किया गया साथ ही मिडिया से जुड़े पत्रकार बन्धुओ का भी सम्मान किया गया । कार्यकम के अंत में बंजारा समाज की संस्कृति को मंच पर प्रदर्शन और नन्हे मुन्हे बच्चों के द्वारा सास्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई, साथ ही कार्यक्रम के अंत मे कर्मचारियों व व्यवशायिक जनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । इस मौके पर बंजारा समाज के प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ललिता भारद्वाज, विष्णु नायक, नंदलाल राठौर, मोहन भारद्वाज, जीतेन्द्र सुराना, नामेश देवांगन, बंजारा समाज के कोण्डागांव जिला अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी , महिला

विधायक ने ग्राम पुसावण्ड और बड़ेबंजोड़ा को दी विकास कार्यों की सौगात

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री लता उसेंडी ने शनिवार को ग्राम पुसावण्ड में कुल 17.15 लाख रुपए की लागत के दो विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इन कार्यों में आश्रित ग्राम काकड़गांव मातागुड़ी के पास 3 लाख रुपए की लागत से बनने वाले सांस्कृतिक भवन का भूमिपूजन तथा 14.15 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन पंचायत भवन का लोकार्पण शामिल है। इसी प्रकार विधायक सुश्री उसेंडी ने ग्राम बड़ेबंजोड़ा में भी कुल 06 लाख रूपए की लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इन कार्यों में पखना पारा शिवलाल घर से 100 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य लागत 03 लाख रूपए और सीदाय घर से गुडिया घर तक 100 मीटर सीसी सड़क निर्माण कार्य लागत 03 लाख रूपए शामिल है। इस अवसर पर विधायक सुश्री उसेंडी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार गांवों में सड़क, भवन और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए सतत प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सीसी सड़क निर्माण से बारिश के दिनों में होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी और ग्रामीणों के दैनिक जीवन में सुविधा बढ़ेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कार्यक्रम में सरपंच सूरज पोयाम, जनपद सदस्य फरसूराम नेताम, इंदलराम यादव, हितेश झा, संतोष पात्र, सुकालूराम पोयाम, सोनारूराम मंडावी, मेहत्तर बघेल, शिवराम बघेल, मंगलूराम मंडावी, सोमसू पोयाम, रूनीका मानिकपुरी, महादेव , लच्छूराम पोयाम सहित पंचगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का भव्य समापन, 2250 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

सूरजपुर। शासकीय आदर्श बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्टेडियम ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का दो दिवसीय आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। समापन दिवस पर सीनियर वर्ग के 1189 खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इससे पहले 12 फरवरी को जूनियर वर्ग के 1068 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।समापन समारोह में पाठ्य पुस्तक निगम के पूर्व अध्यक्ष व जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने खिलाड़ियों के जोश और जुनून की सराहना करते हुए कहा कि खेल में भागीदारी ही सबसे बड़ी जीत है। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कहा कि खेल अनुशासन, टीम भावना और संघर्ष की सीख देता है तथा सरगुजा ओलंपिक युवाओं को मंच देने का सशक्त माध्यम बन रहा है।

आरबीआई के सहयोग से वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम, महिलाओं को दी सुरक्षित बैंकिंग की जानकारी

बीजापुर। भारतीय रिजर्व बैंक के सहयोग से जिला पंचायत सभागार में वित्तीय साक्षरता पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मकसद बैंक उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों, सुरक्षित बैंकिंग और वित्तीय योजनाओं की जानकारी देना था। कार्यक्रम में कार्तिक राम बाँधेकर ने कहा कि आज के दौर में वित्तीय शिक्षा जरूरी हो गई है। सही जानकारी होने पर व्यक्ति अपने और परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर ढंग से संभाल सकता है।

उन्होंने बताया कि हर उपभोक्ता को अपने जमा धन और निवेश से जुड़ी पूरी जानकारी लेने का अधिकार है। यदि बैंक जानकारी देने में टालमटोल करे, तो बैंकिंग लोकपाल से शिकायत की जा सकती है।इस मौके पर भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर से एलडीओ नवीन तिवारी और कमल, अग्रणी बैंक के अमृत कुमार इक्का तथा एनआरएलएम के बीपीएम मौजूद रहे। वक्ताओं ने कहा कि जागरूकता की कमी के कारण लोग चिटफंड, ऑनलाइन ठगी और फोन पर एटीएम जानकारी साझा करने जैसी गलतियों का शिकार हो जाते हैं। इससे बचने के लिए सतर्क रहना और किसी से भी गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा न करना सबसे जरूरी है।

9 से 13 फरवरी तक चला वित्तीय साक्षरता सप्ताह

बताया गया कि वर्ष 2026 में वित्तीय साक्षरता सप्ताह 9 से 13 फरवरी तक मनाया गया। इसकी थीम "KYC □ Your First Step to Safe Banking" रही। इस दौरान केवाईसी की मूल बातें, सेंट्रल केवाईसी रजिस्ट्री, अकाउंट हाइजीन और वित्तीय अनुशासन जैसे विषयों पर सरल तरीके से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में बैंक खाता खोलने और संचालित करने की प्रक्रिया, बचत योजनाएँ, वित्त प्रबंधन, बैंक ऋण, जमाकर्ताओं और ऋण उपभोक्ताओं के अधिकार, बैंकिंग लोकपाल तथा चिटफंड और नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों से जुड़े पहलुओं पर भी विस्तार से बताया गया।

कार्यशाला में महिला स्व-सहायता समूहों की भागीदारी खास रही, जिससे यह जानकारी गांव और समुदाय स्तर तक पहुंचने की उम्मीद जताई गई। उल्लेखनीय है कि इस पहल के लिए पूरे छत्तीसगढ़ से केवल एक संस्था का चयन हुआ, जिसमें समर्पित संस्था को जगह मिली। कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्लॉक काउंसलर विनोद काका, विजय लक्ष्मी और ऑफिस इंचार्ज मनीषा बिनाबोइना की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

127 बालवाड़ी शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण पूरा, बुनियादी शिक्षा मजबूत करने की पहल

बीजापुर। जिले में बाल शिक्षा की गुणवत्ता बेहतर बनाने के उद्देश्य से एफएलएन के तहत 127 बालवाड़ी शिक्षकों का पांच दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण पूरा हुआ। यह प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद के निर्देशन और जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बीजापुर के प्राचार्य वेंकट रमन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।11 से 15 फरवरी तक चले इस प्रशिक्षण को मिश्रित पद्धति में आयोजित किया गया। पहले दो दिन ऑनलाइन सत्र हुए, जबकि अंतिम तीन दिन डाइट परिसर में ऑफ्लाइन प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना और सरस्वती वंदना के साथ हुई।प्रशिक्षण में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई), बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान, थीम आधारित शिक्षण, खेल आधारित गतिविधियाँ, कक्षा प्रबंधन, बच्चों का आकलन और अनुकूल शिक्षण वातावरण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। शिक्षकों को यह भी बताया गया कि रोजमर्रा की कक्षाओं में इन तरीकों को कैसे अपनाया जाए, ताकि बच्चों की सीखने की प्रक्रिया आसान और प्रभावी बन सके।अंतिम दिन प्राचार्य ने शिक्षकों से बातचीत करते हुए कहा कि शुरुआती वर्षों में सही मार्गदर्शन मिलने से बच्चों की सीखने की नींव मजबूत होती है। उन्होंने प्रशिक्षण में मिली जानकारी को स्कूलों में लागू करने पर जोर दिया। मास्टर ट्रेनर्स पवन सिन्हा, चिमन लाल चंदेल, बल्लू राम नेताम और सुनील साहू ने सत्रों के माध्यम से शिक्षकों को व्यावहारिक तरीके समझाए। प्रशिक्षण के दौरान प्री-टेस्ट और पोस्ट-टेस्ट भी लिए गए, जिससे शिक्षकों की समझ का आकलन किया जा सका। शिक्षा विभाग के अनुसार जिले में एफएलएन को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में यह प्रशिक्षण एक अहम कदम माना जा रहा है।

कसकेला ने थामा चैंपियन ट्रॉफी

कसकेला बना खेल का किला : ऐतिहासिक फाइनल में गूंजा जीत का जयघोष

सूरजपुर। ग्राम पंचायत कसकेला में आयोजित ग्रामीण स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेल प्रेमियों के लिए अविस्मरणीय पल लेकर आया। रोमांच, संघर्ष और जोश से भरपूर इस निर्णायक मुकाबले में कसकेला टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का ताज अपने नाम कर लिया, जबकि दुगा टीम ने दमदार खेल दिखाते हुए उपविजेता का स्थान हासिल किया। मैदान में दर्शकों का जनसैलाब उमड़ा रहा। हर पास, हर गोल और हर बचाव पर तालियों की गड़गड़ाहट से वातावरण गुंजायमान हो उठा। कसकेला की जीत के साथ ही पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल बन गया।

गरिमामयी उपस्थिति से बढ़ा आयोजन का मान-फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में मंडल अध्यक्ष रमेश गुप्ता की विशेष उपस्थिति रही। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और कहा कि ग्रामीण अंचल की प्रतिभाएं यदि सही दिशा और अवसर पाएँ तो वे जिला ही नहीं, राज्य स्तर तक अपनी पहचान बना सकती हैं।

विजेताओं का हुआ सम्मान, खिलाड़ियों को मिली प्रेरणा-समापन समारोह में विजेता कसकेला टीम को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया, वहीं उपविजेता दुगा टीम को भी सराहना और सम्मान मिला। खिलाड़ियों को मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर उनके प्रदर्शन की प्रशंसा की गई।

जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति-कार्यक्रम में जनपद सदस्य योगेंद्र प्रताप सिंह, युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष राजू जायसवाल, शक्ति केंद्र संयोजक रामनरेश यादव, युवा मोर्चा एवं फुटबॉल समिति अध्यक्ष रवि यादव, शिवदयाल यादव, प्रेम सिंह, राहुल यादव, वरिष्ठ पत्रकार मोहन प्रताप सिंह, उदित नारायण ठाकुर, अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह, पार्षद विकास राजवाड़े, सुखलाल राजवाड़े, विकास यादव, पारस राजवाड़े, राजाराम विश्वकर्मा, ललित यादव, राकेश यादव (मोटु), गुलाब देवांगन, सतीस यादव, श्रीराम, दौलत यादव, कृष्णा राजवाड़े, पंचु विश्वकर्मा एवं दीलीप विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल से अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का विकास होता है, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता का आधार बनता है।

खेल भावना के साथ हुआ भव्य समापन-कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और सामूहिक आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। आयोजन समिति की सजग व्यवस्था और ग्रामीणों के सहयोग से यह प्रतियोगिता सफलता की नई मिसाल बन गई। कसकेला में आयोजित यह फुटबॉल महोत्सव न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच देने में सफल रहा, बल्कि सामाजिक एकता और उत्साह का प्रतीक भी बनकर उभरा।

संत सेवालाल की 287वीं जयंती दोरनापाल में धूमधाम से मनाई गईं, युवाओं ने निकाली बाइक रैली

सुकमा। जिले के दोरनापाल में बंजारा समाज ने हर वर्ष की भांति इस भी आज 15 फ़रवरी को अपने धर्म गुरु संत सिरोमणि सेवालाल महाराज की जयंती हर्षोल्लास से मनाने के लिए नगर पंचायत दोरनापाल में एकत्रित हुए । बंजारा समाज इस वर्ष 15 फ़रवरी 2026 को संत सेवालाल महाराज जी का 287वीं जयंती मना रहा है। बंजारा समाज इस दिन का बेसब्री से इन्जार करता है और अपने आराध्य देव संत सेवालाल महाराज की जयंती को धूमधाम से मनाता है. जयंती की तैयारी के लिए समाज के सभी लोग उत्साह के जुट जाते है. नगर पंचायत दोरनापाल क्षेत्र के बंजारा बंधु जयंती में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत बंजारा समाज के युवाओं के द्वारा हाथों में झंडी लिए संत सेवालाल महाराज की जय घोष के साथ बाइक रैली निकाल कर किया गया. बाइक रैली नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंचा, जहाँ समाज की महिलाओं ने बाइक रैली का स्वागत किया. ततपश्चात जयंती कार्यक्रम को आगे बढ़ाया गया. कार्यक्रम स्थल पर सभी एकत्र होकर अपने धर्मगुरु संत सेवालाल महाराज जी के छायाचित्र पर समाजिक रीती रिवाजों के साथ पुजा अर्चना किया गया, समाज के पुरष वर्ग ने महाराज सेवाभावा को लापसी कढ़ाव (प्रसाद) का भोग लगाया और सभी को लापसी का प्रसाद वितरण किया गया. महिलाओं ने भी समाजिक गीतों की प्रस्तुति दी।

दुबुजुर्गो ने युवाओं को बताया जयंती के महत्व

बंजारा समाज के बुजुर्गो ने जयंती कार्यक्रम में उपस्थित सगाजनों को बताया हमारे धर्म गुरु संत श्री सेवालाल महाराज जी का जन्म 15 फ़रवरी 1739 को कर्नाटक के शिवमोग्गा जिले के सुरगोडनकोप्पा में हुआ था। उन्हें बंजारा समाज का समाज सुधारक और आध्यात्मिक गुरु माना जाता है। उनकी जयंती पूरे देश में हम बंजारा समाज के लोग उत्साह उमंग व बड़े धुमधाम से मनाते है।

ये रहे मौजूदद्ध

जयंती कार्यक्रम के दौरान ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के उपाध्यक्ष सोहन लाल नायक, प्रदेश प्रवक्ता बलीराम नायक, महिला प्रकोष्ठ की संरक्षक श्रीमती सरला नायक, प्रदेश सलाहकार श्रीमती सावित्री नायक, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष रिंकू नायक, नगर पंचायत दोरनापाल अध्यक्ष राधा नायक, ग्राम पटेल हटिया नायक, राजेश नायक, श्रीमती निर्मला नायक, लालसिंह नायक, बच्चन नायक, सीताराम नायक, भिकूराम नायक, गणेश नायक, लक्मण नायक, संजय नायक, कृष्णा नायक, गोपाल नायक, थाउ नायक समेत बंजारा समाज के लोग मौजूद रहे।

त्रिदिवसीय शिव आराधना महोत्सव यज्ञ पूर्णाहुति एवं भण्डारा के साथ सम्पन्न....

बिलासपुर। सरगांव माण्डूक्य ऋषि की तप:स्थली श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू में आयोजित त्रिदिवसीय शिव आराधना महोत्सव का समापन यज्ञ की पूर्णाहुति एवं भव्य भण्डारे के साथ श्रद्धा और भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस आध्यात्मिक अनुष्ठान में तीनों दिवस श्रद्धालुओं की निरंतर उपस्थिति रही। आयोजन के तृतीय दिवस प्रात: से ही पूजा-अर्चना का क्रम प्रारंभ हुआ। निर्धारित समयानुसार दो आवृत्ति रूद्राभिषेक संपन्न कराया गया, जिसमें विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया गया। रूद्राभिषेक के पश्चात हवन यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की गई। वैदिक विधि-विधान से संपन्न हवन के उपरांत पूर्णाहुति दी गई और इसी के साथ त्रिदिवसीय शिव आराधना महोत्सव का विधिवत समापन हुआ। तीनों दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं, युवाओं एवं वरिष्ठजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति गीतों, भजन-कीर्तन तथा सत्संग का भी आनंद लिया। समापन अवसर पर आयोजित भण्डारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के पदाधिकारी जीवन लाल कौशिक, राममनोहर दुबे, प्रदीप शुक्ला, प्रदीप चतुर्वेदी, मनीष मिश्रा, भगवती प्रसाद मिश्र, मनीष अग्रवाल, मनीष साहू, परस साहू, प्रमोद दुबे, संतोष तिवारी, विमला सुनील साहू, नेतराम सोनवानी सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा। समिति के सदस्यों ने व्यवस्था, पूजा-पाठ, भण्डारा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का सुव्यवस्थित संचालन किया। महोत्सव के समापन पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा को सशक्त करने वाला बताया। पूरे वातावरण में हर-हर महादेव के जयघोष गूंजते रहे और शिवभक्ति की अलौकिक छटा ने सम्पूर्ण क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत कर दिया। स्मरणीय हो कि सामाजिक कार्यकर्ता स्व. शांताराम जी के द्वारा श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप मदकू के प्राचीन वैभव को पुनर्जीवित करने की दृष्टि से द्वीप क्षेत्र में विभिन्न आयोजन और गतिविधियां प्रारम्भ किया और आसपास 40 गांवों के ग्रामीणों से जीवन्त सम्पर्क स्थापित कर द्वीप क्षेत्र में होने वाले आयोजनों से जोड़ने का कार्य किया। जिससे पुरे क्षेत्र में जागरण का कार्य हो सका और चिकित्सा, शिक्षा, धार्मिक प्रकल्पों के माध्यम से मदकू ही नहीं वरन् चंदरपुर, चंद्रखुरी, दरुवनकांपा,ठेलकी,बासिन आदि गांवों में सामाजिक समरसता,मेल जोल, कुटुम्ब प्रबोधन का कार्य क्रियान्वित हो सका।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे जोनल कार्यालय, बिलासपुर में हिंदी कार्यशाला संपन्न

बिलासपुर। रेलवे जोनल कार्यालय, द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर के सभा कक्ष में दिनांक 16.02.2026 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के राजभाषा नोडल कर्मचारियों सहित कुल 26 कार्मिकों नें भाग लिया । इस कार्यशाला में श्री पीताम्बर लाल जाटवर, राजभाषा अधिकारी (मुख्यालय) द्वारा मासिक प्रगति रिपोर्ट बनाने में आने वाली कठिनाईयों के निराकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । विभागों से प्राप्त रिपोर्ट की मदवार समीक्षा करते हुए उनकी कमियों को दूर करने के उपाय से अवगत कराया गया तथा वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 के निर्धारित लक्ष्य, राजभाषा नियम एवं प्रेरणा व प्रोत्साहन से काम किए जाने के संबंध में जानकारी दी गई । माननीय संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उपसमिति द्वारा महाप्रबंधक कार्यालय, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर मे किए गए निरीक्षण के संबंध में जानकारी देते हुए उनके अनुपालन के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई । वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने में आ रही कठिनाइयों तथा उसे प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए । कार्यशाला का संचालन श्री पी.के. गवेल, वरिष्ठ अनुवादक द्वारा किया गया ।

रेलवे अंडरब्रिज में बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की पहल

बिलासपुर। मंडल क्षेत्राधिकार के अंतर्गत रेलवे अंडरब्रिज में लोगों को बेहतर सड़क आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु रेल प्रशासन प्रतिबद्ध है 7 इसी क्रम में रेलवे प्रशासन द्वारा जांजगीर नैलाङ्कअकलतरा स्टेशनों के मध्य बोड़सरा गाँव में स्थित अंडरब्रिज (रुाास्-347) को दिनांक 19 फरवरी (गुरुवार) प्रात: 08 बजे से 26 फरवरी 2026 (गुरुवार) शाम 06 बजे तक पूर्णत: बंद कर आवश्यक मरम्मत कार्य करने का निर्णय लिया गया है । इसके फलस्वरूप यह अंडरब्रिज दिनांक 19 फरवरी (गुरुवार) प्रात: 08 बजे से 26 फरवरी 2026 (गुरुवार) शाम 06 बजे तक पूर्णत: बंद रहेगा। इस अवधि में आमजनों को वैकल्पिक मार्ग के रूप में समपार संख्या 348 (कापन फाटक) एवं कन्हाईबंद अंडरब्रिज (रुाास्-346) पर बने रोड का उपयोग किया जा सकता है। यातायात बंद होने के कारण होने वाली असुविधा के लिए प्रशासन खेद व्यक्त करता है एवं सहयोग की अपेक्षा करता है।

दुर्ग-हटिया-दुर्ग के मध्य चल रही द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन के परिचालन में विस्तार

बिलासपुर। रेल प्रशासन के द्वारा दुर्ग-हटिया-दुर्ग के मध्य 08185/08186 हटिया-दुर्ग-हटिया द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन का परिचालन 27 फरवरी 2026 तक किया जा रहा है 7 यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखते हुये इस गाड़ी के परिचालन का विस्तार 01 अप्रैल 2026 तक किया गया है । परिचालन में विस्तार होने के बाद गाड़ी संख्या 08185 हटिया-दुर्ग सुपरफास्ट एक्सप्रेस, हटिया से दुर्ग के लिये प्रत्येक मंगलवार एवं गुरुवार को 31 मार्च 2026 तक चलेगी । इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08186 दुर्ग-हटिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस, दुर्ग से हटिया के लिए प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार 01 अप्रैल 2026 तक चलेगी ।

संविदा पदों पर निकली भर्ती 28 फरवरी अंतिम तिथि

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संविदा के विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए 28 फरवरी 2026 तक रात्रि 12 बजे तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार एएनएम, फिजियोथेरेपिस्ट, फॉर्मासिस्ट, डेंटल असिस्टेंट, नर्सिंग ऑफिसर, स्टाफ नर्स, एमपीडब्ल्यू, काउंसलर, फीडिंग डेमोनस्ट्रेटर, टीबीएसव्ही, कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर, ब्लॉक डाटा मैनेजर, सेक्रेटियल असिस्टेंट, एकाउंटेंट, चतुर्थ श्रेणी, क्लीनर, आया बाई, हाउसकीपिंग स्टाफ अटेंडेंट, कुक जैसे विभिन्न संविदों पदों पर जिले की वेबसाईट द्धह्लह्लश्च://ड्ढद्बद्यड्डह्यश्चह्वह्म्.द्दश1.द्बठ्ठ के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। ऑनलाईन आवेदन, नियम व शर्तें जिले की वेबसाईट में देखा, भरा या डाउनलोड किया जा सकता है।

मनेंद्रगढ़ रेलवे स्वास्थ्य इकाई में किशोरियों हेतु एच.पी.वी. टीकाकरण अभियान का आयोजन

■ प्रथम चरण में 32 बालिकाओं का टीकाकरण, 42 का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया

बिलासपुर। दिनांक 14/02/2026 को मनेंद्रगढ़ स्थित रेलवे स्वास्थ्य इकाई में 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए एच.पी.वी. (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण कार्यक्रम का प्रथम चरण सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह अभियान बालिकाओं के दीर्घकालिक स्वास्थ्य संरक्षण एवं जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 32 लाभार्थी बालिकाओं को एच.पी.वी. वैक्सीन प्रदान की गई, वहीं 42 बालिकाओं का विस्तृत मेडिकल स्क्रीनिंग परीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान चिकित्सकों द्वारा सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व एवं इसके दीर्घकालिक लाभों के संबंध में भी जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (ष्टरूस्) डॉ शेख सिराजुद्दीन, अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (ष्टरूस्) डॉ शांति पूर्ती भी उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य जागरूकता एवं निवारक चिकित्सा के महत्व पर बल देते हुए इस पहल को अत्यंत सराहनीय बताया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. नितिन शाह, डॉ अरुणा बेक एवं उनकी समर्पित मेडिकल टीम द्वारा किया गया। टीम ने टीकाकरण की संपूर्ण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराया, साथ ही उपस्थित बालिकाओं एवं उनके अभिभावकों को आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया। रेलवे प्रशासन द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविरों एवं टीकाकरण अभियानों के माध्यम से रेलकर्मियों एवं उनके परिजनों के स्वास्थ्य संरक्षण हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आगामी चरणों में भी इस अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक बालिकाएं लाभान्वित हो सकें।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर बिछड़ा बालक सुरक्षित परिजनों को सौंपा

■ वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई से टली बड़ी चिंता

बिलासपुर। बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम की एक सराहनीय एवं मानवीय पहल देखने को मिली, जब भीड़-भाड़ के दौरान अपने परिवार से बिछड़े लगभग 5 वर्षीय बालक को रेलवे टीम की सजगता से सुरक्षित परिजनों को सौंपा गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, संबंधित परिवार बिलासपुर से भोपाल की यात्रा हेतु 18233 नर्मदा एक्सप्रेस से प्रस्थान करने वाला था। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर भीड़ के बीच बालक अपने परिजनों से अलग हो गया। परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने पर वाणिज्य विभाग की स्पेशल टीम ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए स्टेशन परिसर में खोजबीन प्रारंभ की। स्टेशन पर तैनात कर्मचारियों के समन्वित प्रयास एवं सतर्क निगरानी के परिणामस्वरूप अल्प समय में ही बालक को सुरक्षित ढूंढ लिया गया। बालक को सुरक्षित अभिरक्षा में रखते हुए उसके परिजनों से संपर्क स्थापित किया गया तथा आवश्यक पहचान एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण करने के उपरांत उसे सकुशल परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सुरक्षित पाकर परिजनों ने रेलवे प्रशासन एवं वाणिज्य विभाग की टीम के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया तथा त्वरित कार्रवाई की सराहना की। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया- यात्रियों की सुरक्षा एवं सहायता रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

बिना पुनरावृति के केलोइड्स का सफल इलाज-प्रोफेसर

बिलासपुर। लखनऊ से प्रोफेसर जे एन मिश्रा (पूर्व हेड फैकेल्टी आफआयुर्वेद लखनऊ यूनिवर्सिटी) ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों को बताया की एक नई संशोधित तकनीक के माध्यम से केलोइड्स (अनियमित रेशेदार ऊतक) का सफल इलाज कर सकते हैं उन्होंने बताया कि इस नई संशोधित तकनीक के माध्यम से इसे गहरे ऊतकों तक पहुंचाने के लिए भविष्य की उन्नत तकनीक के साथ समान परिस्थितियों में भी आजमाया जा सकता है। उन्होंने बताया की आयुर्वेद के अनुसार पढ़े देखें और अनुभव करें फिर इस तकनीक को लागू करना चाहिए। प्रोफेसर जे एन मिश्रा ने बताया कि उनके वर्तमान शोध कार्य बिना चाकू के ट्यूमर के उन्मूलन पर केंद्रित है और पुनरावृति ट्यूमर को आयुर्वेद में अबुर्द कहा गया है। उन्होंने पुनरावृति से संबंधित बाधाओं को दूर करने के लिए शोध कार्य को केलोइड्स की सर्जरी के संदर्भ में पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त करने के लिए डिजाइन किया। तकनीक का उपयोग दबाव प्रवणता तकनीक के तहत केलोइड्स को खत्म करने के लिए ट्यूमर पर लागू बंधन के आधार पर किया गया। इसमें दबाव दल तकनीक का उपयोग किया गया जिसमें संचारक पदार्थ युक्त धागे का त्याग किया गया और इसे स्लिप लूज नॉट में बदल दिया गया ताकि पूरे कार्यक्रम में एक ही धागे का लगातार प्रयोग किया जा सके। प्रभावित हिस्से को साफ कर साबुन और पानी से धोया गया और बंधन के लिए 0.5 एमएम का नरम सूती धागा (कोर हार्ड लेकिन बाहरी नरम और कुशन) ताकि केलोइड के ऊतक को घाव न लगे। संपीडन प्रवणता का मूल्यांकन दर्द के आभास से किया गया। प्रत्येक तीसरे दिन संपीडन को न्यूनतम दबाव प्रवणता की सीमा तक बढ़ाया गया जो कि कम से कम 20 मिली मीटर एच जी तक रहता है। प्रोफेसर जेएन मिश्रा ने प्रेस वार्ता में इस तकनीक से सफल इलाज की चार केस रिपोर्ट भी प्रस्तुत करी। पहले केस रिपोर्ट में उन्होंने स्वयं पर उपरोक्त विधि का पालन किया इस विधि से 21 दिन में केलोइड्स बह गया और उसकी फिर पुनरावृत्ति नहीं हुई। दूसरे केस में 28 वर्ष की आयु के पुरुष का इलाज, तीसरे केस में 60 वर्ष की आयु की महिला के दाहिने घुटने पर केलोइड्स का सफल इलाज और चौथे में 32 वर्ष आयु के पुरुष का दाहिने कान के नीचे केलोइडस का सफल इलाज किया गया जिसकी आज तक पुनरावृत्ति नहीं हुई।

स्मार्ट मीटर की भ्रांतिया, मोर बिजली ऐप के माध्यम से की जा रही दूर

■ उपभोक्ताओं को जागरूक करने विभाग द्वारा चलाया जा रहा है, स्मार्ट मीटर पखवाड़ा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड द्वारा उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के संबंध में पूरी जानकारी देने के लिए विभाग द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में स्मार्ट मीटर पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें उपभोक्ताओं की जिज्ञासा एवं भ्रांतियों को दूर करते हुये अवगत कराया जा रहा है कि स्मार्ट मीटर पूरी तरह स्वचालित है, इसमें किसी भी प्रकार का कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं होगा और न ही गलत रीडिंग या बिलिंग की समस्या होगी। साथ ही बिजली चोरी से भी निजात मिलेगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड बिलासपुर क्षेत्र के विद्युत उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य मेसर्स जीनस कंपनी द्वारा किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत बिलासपुर शहर के लगभग 1 लाख 44 हजार उपभोक्ताओं में से 96 हजार उपभोक्ताओं के परिसर में स्मार्ट मीटर स्थापना का कार्य किया जा चुका है। मीटर स्थापना के उपरांत स्मार्ट मीटर का विवरण सैप सिस्टम में दर्ज किया जाता है, जिसके उपरांत नवीन स्मार्ट मीटर के रीडिंग के अनुसार बिलिंग किया जाता है। स्थापित किये गये 96 हजार में सें लगभग 99 प्रतिशत मीटरों का विवरण सैप सिस्टम में दर्ज किया जा चुका है तथा स्मार्ट मीटर के रीडिंग के अनुसार ही बिलिंग हो रही है एवं शेष स्मार्ट मीटरों के विवरण को सैप सिस्टम में दर्ज करने की कार्यवाही सतत् प्रक्रियाधीन है जिन्हे आगामी माह के बिल में पूर्ण कर लिया जावेगा। कतिपय प्रकरणों में मानवीय त्रुटिवश मीटर विवरण दर्ज नही होने संबंधी शिकायत विद्युत कार्यालयों में प्राप्त होने पर पूर्व में किये गये औसत बिलिंग को समायोजित करते हुये त्वरित सुधार की कार्यवाही की जाती है, यदि उपभोक्ता को एकमुश्त बिल जारी होता है तो नियमानुसार स्लैबिंग की सुविधा प्रदाय करते हुये बिल जारी किया जाता है। बिलासपुर क्षेत्र के कार्यपालक निदेशक श्री ए.के. अम्बस्ट द्वारा अवगत कराया गया है कि स्मार्ट मीटर में बिलिंग संबंधी किसी भी प्रकार की समस्या आने पर संबंधित मैदानी कार्यालय से संपर्क किया जावे ताकि विभागीय अधिकारियों द्वारा जीनस कंपनी के साथ सामंजस्य स्थापित कर तत्काल सुधार कार्य किया जा सके।

एसईसीएल मुख्यालय में कंज़्यूमर मीट का आयोजन,गुणवत्ता पर विशेष फोकस दिया

बिलासपुर। एसईसीएल द्वारा आज दिनांक 16 फरवरी 2026 को एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर में कोयला उपभोक्ताओं के साथ बेहतर समन्वय एवं संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से कंज़्यूमर मीट का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एसईसीएल के सीएमडी श्री हरीश दुहन ने की। इस दौरान निदेशक (तकनीकी संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार एवं निदेशक (तकनीकी/परियोजना एवं योजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र उपस्थित रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सीएमडी श्री हरीश दुहन ने स्पष्ट रूप से कहा कि टीम एसईसीएल अब गुणवत्ता सर्वोपरि के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एसईसीएल का उद्देश्य केवल अधिक कोयला उत्पादन नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता युक्त, भरोसेमंद और समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी उपभोक्ताओं से खुलकर अपने सुझाव एवं विचार साझा करने का आह्वान किया और विश्वास दिलाया कि प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। श्री दुहन ने आश्वस्त किया कि गुणवत्ता नियंत्रण, पारदर्शिता, तकनीकी उन्नयन और बेहतर समन्वय के माध्यम से एसईसीएल उपभोक्ता संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहेगा तथा उद्योगों की ऊर्जा आवश्यकताओं की विश्वसनीय पूर्ति के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। निदेशक (तकनीकी संचालन) श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने अपने संबोधन में Production with Purity, Dispatch with Quality के मंत्र को दोहराते हुए कहा कि उत्पादन प्रक्रिया से लेकर डिस्पैच तक हर स्तर पर गुणवत्ता सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की संतुष्टि ही एसईसीएल की वास्तविक सफलता है। बैठक के प्रारंभ में महाप्रबंधक (खनन/विक्रय) श्री अजीत चौधरी द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से कंपनी की कार्यप्रणाली, उत्पादन प्रणाली, गुणवत्ता प्रबंधन तथा उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने हेतु किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक के दौरान उपभोक्ताओं ने कोयले के मूल्य की वापसी (Refund of Coal Value), बैंक गारंटी, गुणवत्ता युक्त कोयले की आपूर्ति एवं अन्य परिचालन संबंधी विषयों पर प्रश्न एवं सुझाव प्रस्तुत किए। सीएमडी श्री हरीश दुहन संपूर्ण बैठक के दौरान उपस्थित रहे तथा सभी प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (गुणवत्ता) श्री संजीव निगम, महाप्रबंधक (वित्त) श्रीमती रोंटी बसु सहित कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

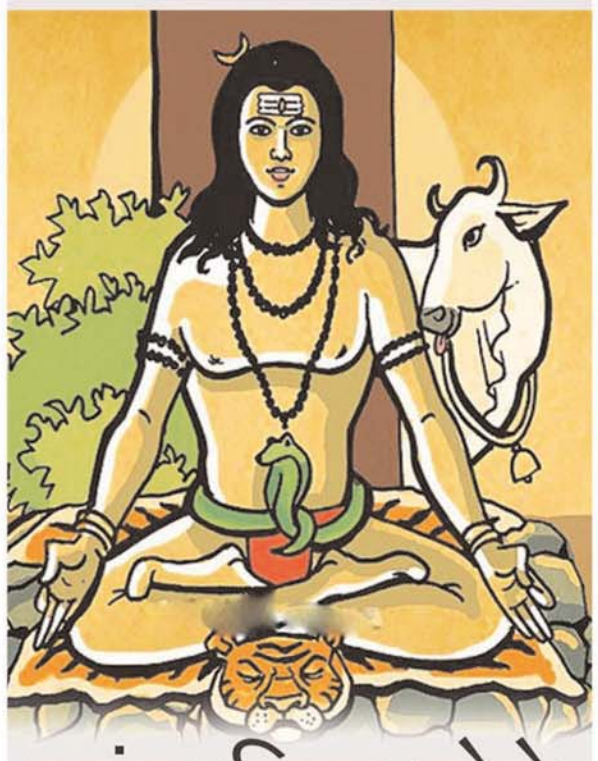

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो।

साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मेलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

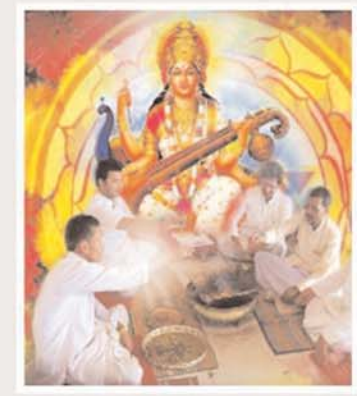

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

भिलाई की शिव बारात ने रचा इतिहास : 54 हजार भक्तों की मौजूदगी के साथ 'इंडिया' और 'एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' में नाम दर्ज

भिलाई। लौह नगरी भिलाई में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर निकली 'बाबा की बारात' ने इस वर्ष न केवल श्रद्धा का सैलाब उमड़ाया, बल्कि विश्व स्तर पर अपनी पहचान भी दर्ज कराई। बोलबम सेवा समिति द्वारा आयोजित इस भव्य शिव बारात के 18वें वर्ष में 54 हजार शिव भक्तों की ऐतिहासिक सहभागिता दर्ज की गई, जिसके चलते इस आयोजन का नाम 'इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' और 'एशिया बुक ऑफवर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है।

वर्ल्ड रिकॉर्ड की घोषणा- वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधि कृष्ण कुमार गुप्ता ने आयोजन की भव्यता और जनभागीदारी का सूक्ष्म निरीक्षण करने के बाद इस उपलब्धि की आधिकारिक घोषणा की। इतनी बड़ी संख्या में भक्तों की एक साथ अनुशासित उपस्थिति को इस रिकॉर्ड का मुख्य आधार माना गया।

7 राज्यों की झांकियों ने मोहा मन- इस ऐतिहासिक बारात में देश के 7 अलग-अलग राज्यों से आई सांस्कृतिक झांकियों ने भक्तों का मन मोह लिया। विशेष रूप से हरियाणा से आए अघोरियों की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। पूरे मार्ग में 'बोलबम' के जयघोष से वातावरण शिवमय हो गया।

दिग्गज नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति- इस गौरवपूर्ण क्षण का साक्षी बनने के लिए कई वीवीआईपी भिलाई पहुंचे, जिनमें शामिल थे: कैबिनेट मंत्री: राम सेवक पैकरा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष: किरणदेव सिंह, विधानसभा अध्यक्ष की पत्नी: मीणा सिंह, दुर्ग सांसद: विजय बघेल, भिलाई के लिए गौरव का क्षण बोलबम सेवा समिति के पदाधिकारियों ने इस उपलब्धि को पूरे छत्तीसगढ़ का गौरव बताया। आयोजन की भव्यता, सुरक्षा और अनुशासन ने प्रशासन और जनता के बीच एक मिसाल कायम की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के पूर्व प्रदेश प्रमुख श्री बिसरा राम यादव जी ने लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के कैलेण्डर का किया विमोचन

दुर्ग/ लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज के संयुक्त रुप से प्रकाशित वार्षिक कैलेण्डर में हिन्दू नववर्ष, धार्मिक तिथियों तीज-त्यौहारों एवं ,शासकीय अवकाशों के साथ प्रकाशित की गई है।जिसका विमोचन श्री बिसरा राम यादव पूर्व प्रदेश प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) ने अपने दुर्ग स्थित निवास पर किया।

रविवार को लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप के प्रधान संपादक एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज दुर्ग के चेयरमैन संजय तिवारी अपनी टीम के साथ श्री बिसरा राम यादव पूर्व प्रदेश प्रमुख राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (RSS) के दुर्ग स्थित निवास पर जाकर नववर्ष की बधाईयों के साथ नववर्ष की प्रकाशित कैलेण्डर उन्हें भेंट किया। इस दौरान चर्चा करते हुए श्री बिसरा राम यादव ने लोकतंत्र प्रहरी अखबार सहित कैलेण्डर के प्रकाशन पर प्रधान संपादक और उनकी टीम को बधाई के साथ शुभकामनाएं दी। और कैलेण्डर के ले-आउट की प्रशंसा की।

इस अवसर पर लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज के चेयरमैन संजय तिवारी के साथ संतोष दुबे (समाजसेवी), चंद्रकांत सोनी (समाजसेवी) सहित टीम के अन्य लोग मौजूद थे। आपको बता दें कैलेंण्डर के ले-आउट और संपूर्ण तरह जानकारियों से भरे होने की वजह से आम जनता के बीच काफी कम समय में लोकप्रिय हो रहा है।आज दुर्ग भिलाई सहित अन्य शहरों के शासकीय दफ्तरों के अलावा प्रतिष्ठानों सहित घरों में लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस आर हॉस्पिटल एंड कालेज की प्रकाशित कैलेण्डर का लेआउट चर्चित हो रहा है।

दिव्यांगों के लिए नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण मूल्यांकन शिविर 18 से 20 फरवरी तक

दुर्ग। एनटीपीसी-सेल पॉवर कम्पनी लिमिटेड के निगमित सामाजिक दायित्व योजनान्तर्गत तथा भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम , जबलपुर एवं समाज कल्याण विभाग, दुर्ग के समन्वय से जिले के दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदान किए जाने के लिए मूल्यांकन एवं परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

समाज कल्याण विभाग के उप संचालक से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रथम चरण में आयोजित शिविरों में दिव्यांगजनों का विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण एवं चिन्हांकन किया जाएगा। परीक्षण उपरांत पात्र हितग्राहियों को आवश्यकतानुसार सहायक उपकरण वितरित किए जाएंगे। 18 फरवरी 2026 को मंगल भवन, नगर पालिक निगम चरोदा-भिलाई में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें न.पा.नि. चरोदा-भिलाई, न.पं. धमधा, ज.पं. धमधा, न.पा.प. कुम्हारी, न.पा.प. अहिवारा, न.पा.प. जामूल, न.पा.प. अमलेश्वर एवं आसपास के क्षेत्र के हितग्राही सम्मिलित होंगे। 19 फरवरी 2026 को नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में शिविर आयोजित होगा, जिसमें न.पा.नि. भिलाई, न.पं. उतई, न.पा.नि. रिसाली, न.पं. पाटन, ज.पं. पाटन एवं आसपास के क्षेत्र के दिव्यांगजन लाभान्वित होंगे। 20 फरवरी 2026 को सभाकक्ष, जिला जनपद पंचायत दुर्ग, पंचायत परिसर में शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें न.पा.नि. दुर्ग, ज.पं. दुर्ग एवं आसपास के क्षेत्र के हितग्राही शामिल होंगे। सभी शिविरों का समय प्रात: 10:00 बजे से रहेगा ।शिविर में लाभ प्राप्त करने के लिए दिव्यांगजनों को स्वयं उपस्थित रहना अनिवार्य होगा। साथ ही जीवित दिव्यांग प्रमाण पत्र अथवा यूडीआईडी कार्ड की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो तथा आय प्रमाण पत्र साथ लाना आवश्यक होगा ।शिविर के सफल संचालन हेतु समस्त नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों को नोडल तथा सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त करने एवं आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। साथ ही संबंधित निकायों को अपने-अपने क्षेत्रों में मुनादी कर अधिक से अधिक दिव्यांगजनों तक सूचना पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पात्र हितग्राही योजना का अधिकाधिक लाभ प्राप्त कर सकें। जिला प्रशासन द्वारा समस्त पात्र दिव्यांगजनों से निर्धारित तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर परीक्षण कराने की अपील की गई है।

तेलीबांधा बीएसयूपी कालोनी मरीन ड्राईव में सरप्राईज चेकिंग

रायपुर। बीएसयुपी कालोनी मरीन ड्राईव में 40 ब्लाक व 640 क्वाटर हैं । प्रात: करीब 04.00 बजे 36 की संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी (महिला) के द्वारा बीएसयुपी कालोनी मरीनड्राईव का सघन चेकिंग कर वहां निवासरत लोगों का वेरिफिक्रेशन किया गया तथा परिवार में कितने लोग हैं कहां से आए है क्या - क्या काम करते है। सभी का जानकारी लिया गया साथ ही वहां निवासरत लोगों की गाड़ियों का नाम नंबर नोट कर गाड़ियों का कागजात थाना लाकर दिखाने के लिए नोटिस दिया गया ।03/02/26को संवाद से समाधान कार्यक्रम के अंतर्गत बीएसयुपी कालोनीवासियों की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मध्य जोन) तारकेश्वर पटेल व सहायक पुलिस आयुक्त रमाकांत साहू (मध्य जोन) तथा थाना प्रभारी तेलीबांधा द्वारा बैठक लेकर उनकी समस्याओं को सुना गया था ।जिसमे कालोनीवासियों ने 03 समस्याएं बतायी थी 01 कालोनी व देवारपारा के बीच का दीवार टुटा होना जिससे असामाजिक तत्वों का कालोनी में प्रवेश होता है। 02 शिकायत करने हेतु कोईसंपर्क नंबर का न होना। 03 सीसीटीवी कैमरे लगवाना। उपरोक्त शिकायतों में से (01 व 02) शिकायतों का निराकरण कर दिया गया है। सीसीटीवी कैमरा लगाने हेतु प्रयास जारीहै।

लंबे समय से फरार स्थायी वारंटियों हुई गिरफ्तारी

दुर्ग। जिला दुर्ग में लगातार कांबिंग गश्त कर लंबे समय से फरार स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी की जा रही है पुलिस ने बताया कि दुर्ग पुलिस द्वारा 13.02.2026 से प्रारंभ विशेष अभियान के तहत जिले के समस्त थाना-चौकी क्षेत्रों में लंबित स्थायी (बेमियादी) एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामीली हेतु व्यापक कांबिंग गश्त एवं पतासाजी कार्यवाही की जा रही है। 32 स्थायी एवं 46 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए थे। इसी क्रम में 14.02.2026 को 97 स्थायी (बेमियादी) एवं 47 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। दोनों दिवसों की संयुक्त कार्यवाही में कुल 129 स्थायी (बेमियादी) एवं 93 गिरफ्तारी वारंट तामील किए गए। गिरफ्तार वारंटियों को विधिवत माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है ।पूर्व दिवस में 16 ऐसे वारंटियों, जिनकी मृत्यु हो चुकी है, उनके संबंध में भी नियमानुसार वारंट तामीली की कार्यवाही पूर्ण की गई। उक्त अभियान में समस्त थाना/चौकी प्रभारियों, विवेचना अधिकारियों, बीट स्टाफ एवं पेट्रोलिंग टीमों द्वारा सतत निगरानी, कांबिंग गश्त एवं समन्वित प्रयासों के माध्यम से प्रभावी कार्यवाही की गई, जिससे लंबित वारंटों की त्वरित तामीली सुनिश्चित हुई दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि न्यायालयीन आदेशों का सम्मान करें तथा वारंट जारी होने की स्थिति में स्वयं उपस्थित होकर विधिक प्रक्रिया में सहयोग करें। फरार रहने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

स्वास्थ्य कर्मियों ने पुलिस विभाग की तरह आधार बेस्ड उपस्थिति से छूट मांगी

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की महासमिति की बैठक प्रधान कार्यालय रायपुर में आयोजित की गई। जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों की समस्याओं और मांगों पर विचार विमर्श करते हुए शासन-प्रशासन तक इन मांगों को पूरा करवाने भेजने एंव संगठन को मजबूत करने निर्णय लिया गया। संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने बताया कि यह बैठक प्रांताध्यक्ष अनिल पांडेय और संगठन के संरक्षक सलाहकार व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंपेक्स ओ पी शर्मा की मौजूदगी में हुई। जिसमें सभी जिलों में पुलिस विभाग के भांति स्वास्थ्य कर्मचारियों को आधार बेस्ड उपस्थिति से मुक्त रखने की मांग रखी गई। सैय्यद असलम ने कहा कि पुलिस विभाग की भांति स्वास्थ्य कर्मचारी भी 24*7 आपातकालीन सेवाओं के अंतर्गत आते हैं जिससे कर्मचारियों को निर्धारित समय के बाद भी कार्य करना पड़ता है। शासन की ओर से जारी आधार बेस्ड उपस्थिति एप में कार्यालयीन दिवस 5 दिवसीय रखा गया है। सभी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में तीन पालियों में स्वास्थ्य कर्मचारी सेवाएं देते हैं ऐसे में शनिवार और रविवार की उपस्थिति में तथा 10 से 5.30 की समयावधि पर व्यावहारिक समस्या सामने आ रही है। समस्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम को संचालित करने वाले स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले में शामिल ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक व संयोजिका, पर्यवेक्षक,एल एच व्ही,बी ई टी ओ,नेत्र सहायक अधिकारी,सीएचओ,नॉन मेडिकल असिस्टेंट, महिला पर्यवेक्षक का कार्य लक्ष्य आधारित होता है। जिसमें समय से अधिक कार्य करते हुए लक्ष्य को प्राप्त करना होता है, जिसका कोई अतिरिक्त भुगतान या बोनस शासन नहीं देता है। संघ के प्रांताध्यक्ष अनिल पांडेय, संरक्षक ओ पी शर्मा, महामंत्री सैय्यद असलम व सूरज प्रसाद देवांगन ने कहा कि आधार बेस्ड उपस्थिति में प्रमुख रूप से अधिकारी कर्मचारियों का आधार लिंक करना पड़ता है। कई कर्मचारी अपने आधार को साइबर क्राइम से बचाने डिजिटल लॉकर में रखते हैं। उपस्थिति लगाने बार बार यह डिजिटल लॉकर खोलने और हमेशा के लिए लॉकर खुला रखने से साइबर ठगी की आशंका बनी रहती है। तकनीकी कारणों से आधार बेस्ड उपस्थित में कठिनाई हो रही है। इनमें नेटवर्क नहीं मिलना प्रमुख है। इसके अलावा मैदानी अमले की स्वास्थ्य शिविरों में अन्यत्र स्थान पर ड्यूटी, सॉफ्टवेयर का सपोर्ट नही करना,कर्मचारियों के पास स्मार्टफोन नहीं होना, इंटरनेट स्पीड कम होना, पहुंच विहीन क्षेत्रों में नेटवर्क उपलब्ध नहीं होना ओर कई कर्मचारियों का तकनीकी ज्ञान नहीं होना जैसी समस्याएं आ रही है। फील्ड के कर्मचारियों को स्वास्थ्य कार्यक्रम के लक्ष्यों को हासिल करने मुख्यालय से बाहर 8 से 30 किलोमीटर के दायरे में जाना पड़ता है। जिसके कारण आधार बेस्ड उपस्थिति केवल पदस्थापना स्थल के 100 मीटर दायरे से लगती है। बैठक में संघ ने निर्णय लिया है कि शासन को इस संबंध में ज्ञापन सौंपा कर स्वास्थ्य कर्मचारियों को पुलिस विभाग के भांति आधार बेस्ड उपस्थित से मुक्त रखने अपील की जाएगी। महासमिति की बैठक में स्वास्थ्य कर्मचारी की वेतन विसंगति करने,सभी कैडरों की पदोन्नति समय अवधि देने, जीवन दीप समिति कर्मचारियों को नियमित करने, संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी को नियमित करने और एन एच एम कर्मचारियों को नियमित व स्थानांतरण नीति बनाने व विभिन्न कैडरों के स्वास्थ्य कर्मचारियों को समयमान वेतनमान और एरियर का भुगतान करने, प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों को कैशलैस चिकित्सा उपलब्ध कराने, छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी का वार्षिक अधिवेशन कराने व छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ को मजबूत बनाने सदस्यता अभियान चलाने व आजीवन सदस्य बनाने सभी जिला अध्यक्षों व संभागीय अध्यक्ष व प्रांतीय पदाधिकारी ने विचार व मांग पर निर्णय लिया गया। बैठक मे सभी जिलो के अध्यक्ष, सचिव, संभागीय अध्यक्ष व सचिव पदाधिकारी व प्रांतीय पदाधिकारी विभिन्न प्रकोष्ठ के संयोजक व पदाधिकारी उपस्थित थे।

ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट के विकास एवं संचालन पर वस्तुस्थिति

दुर्ग । नगर पालिक निगम, दुर्ग शहरवासियों के मनोरंजन, सुविधा एवं पर्यटन विकास के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। ठगड़ा बांध के सौंदर्यीकरण एवं संचालन को लेकर हाल ही में प्रकाशित समाचारों के संदर्भ में निगम प्रशासन निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट करना आवश्यक समझता है,

जन-सुविधा एवं पर्यटन को बढ़ावा देने की पहल

ठगड़ा बांध का सौंदर्यीकरण दुर्ग शहर के लिए एक सिग्नेचर प्रोजेक्ट के रूप में विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य शहरवासियों को अपने ही शहर में सुरक्षित, स्वच्छ एवं प्राकृतिक वातावरण में पिकनिक एवं मनोरंजन की सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को अन्य स्थानों पर जाने की आवश्यकता न पड़े और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिले।

नियमों के तहत पारदर्शी संचालन व्यवस्था

ठगड़ा बांध पिकनिक स्पॉट के संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी पूर्णत: पारदर्शी निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के माध्यम से एक निजी एजेंसी को सौंपी गई है इसका मुख्य उद्देश्य परिसर की नियमित साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, हरियाली का संरक्षण तथा आगंतुकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

साथ ही एजेंसी द्वारा नगर निगम को वार्षिक प्रीमियम का भुगतान किया जा रहा है, जिससे निगम के राजस्व में वृद्धि हो रही है और उक्त राशि का उपयोग अन्य जनहित कार्यों में किया जाएगा।

10 प्रवेश शुल्क का औचित्य

ठगड़ा बांध परिसर में लिया जा रहा ?10 का नाम मात्र प्रवेश शुल्क सुरक्षा व्यवस्था, बागवानी के रखरखाव, लाइटिंग, पौधारोपण एवं नियमित साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को सुचारु बनाए रखने हेतु लिया जाता है।

इससे सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित होती है तथा असामाजिक गतिविधियों पर भी प्रभावी नियंत्रण रहता है ।ठगड़ा बांध पिकनिक में पार्किंग शुल्क नही लिया जाता है। पार्किंग नि.शुल्क,

गहरीकरण एवं निर्माण कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता

गहरीकरण कार्य के दौरान निकली मुरुम एवं अन्य सामग्रियों के निष्पादन में सभी शासकीय नियमों एवं प्रक्रियाओं का पालन किया गया है। पूर्व में प्राप्त शिकायतों के संबंध में वर्तमान प्रशासन द्वारा फाइलों की समीक्षा की जा रही है।

नगर निगम का स्पष्ट रुख है कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा ।जन संपर्क/राजू बक्शी

बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी तेज, कड़ी सुरक्षा के बीच प्रश्न पत्रों का वितरण शुरू

दुर्ग। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित होने वाली हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी की बोर्ड परीक्षाओं के लिए दुर्ग जिले में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। जिला शिक्षा विभाग ने सुरक्षा के कड़े घेरे में प्रश्न पत्रों का वितरण कार्य आधिकारिक रूप से शुरू कर दिया है।

परीक्षाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए विभाग ने इस बार विशेष रणनीति तैयार की है:

चरणबद्ध वितरण: पहले चरण में जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के परीक्षा केंद्रों के लिए प्रश्न पत्र रवाना किए गए हैं। इसके पश्चात दूसरे चरण में शहरी क्षेत्रों के केंद्रों तक सामग्री पहुंचाई जाएगी।

मजबूत सुरक्षा तंत्र: प्रश्न पत्रों की गोपनीयता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए पूरे जिले में 27 सुरक्षित स्थान (नोडल केंद्र) चिन्हित किए गए हैं, जहाँ वितरण से पूर्व इन्हें कड़ी निगरानी में रखा जाएगा।

परीक्षार्थियों का आंकड़ा: इस वर्ष दुर्ग जिले में दसवीं (High School) के 16,857 और बारहवीं (Higher Secondary) के 13,563 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

परीक्षा केंद्रों का जाल: जिले में कुल 135 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इस वर्ष फरीदनगर स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल को एक नए परीक्षा केंद्र के रूप में सूची में जोड़ा गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, प्रश्न पत्र वितरण से लेकर परीक्षा संपन्न होने तक हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा रही है। विभाग का मुख्य लक्ष्य शांतिपूर्ण और नकल विहीन परीक्षा आयोजित कराना है।

सोसाइटी और बीएसपी के प्रति वरिष्ठ कर्मियों का योगदान अविस्मरणीय : मिश्र

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट के कर्मियों की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-6 में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें माह जनवरी और उससे पूर्व सेवानिवृत्त हुए बीएसपी कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया और उनकी जमा निधियों के अंतिम भुगतान का चेक प्रदान किया।इस दौरान अध्यक्ष बृज बिहारी मिश्र ने कहा कि सेवानिवृत्ति हम सब के करियर की एक नैसर्गिक व्यवस्था है लेकिन हमारे वरिष्ठ साथियों ने जो योगदान भिलाई इस्पात संयंत्र और हमारी सोसाइटी के प्रति दिया है,वह हमेशा अविस्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। नगर सेवाएं विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक कृष्णानंद रॉय ने कहा कि सेक्टर-6 सोसाइटी ने पूरे सेवाकाल में हमेशा एक सहायक की भूमिका निभाई। उन्होंने सोसाइटी के कामकाज की भी तारीफ की।

रिसर्च एंड कंट्रोल लैब से प्रवीण कुमार इंग्ले ने कहा कि सेक्टर-6 सोसाइटी की सदस्यता अपने सेवाकाल के शुरूआती दौर में ही ले ली थी और जब भी जरूरत पड़ी समय पर ऋण मिल गया। कोक ओवन एंड कोल केमिकल विभाग से एस धनराजू ने कहा कि सेक्टर-6 सोसाइटी के कामकाज में पारदर्शिता है और ऋण व अन्य प्रकरणों पर त्वरित निर्णय होता है। इस वजह से सोसाइटी की साख कर्मियों के बीच बनी हुई है। इस अवसर पर अन्य रिटायर कर्मियों में दल्ली मैकेनाइज्ड माइंस से सेवन लखन प्रसाद,नंदिनी मैकेनाइज्ड माइंस से पुरुषोत्तम ठाकुर,मटेरियल रिकवरी डिपार्टमेंट से अप्पा राव, प्लेट मिल से कलीराम,सुरेंद्र गौड़,परमजीत सिंह,सुखविंदर सिंह,कोक ओवन एंड कोल के मिकल विभाग से श्यामलाल,स्टील स्ट्रक्चरल शॉप से अमरदास,दिलीप कुमार,ट्रांसपोर्ट एंड डीजल ऑर्गेनाइजेशन से प्रेमलाल,आरसी लैब से अरविंद कुमार,रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल से कमलेश कुमार,जीवनंदन वर्मा,रिफ्रैक्टिव इंजीनियरिंग विभाग से आनंद कुमार,एलडीसीपी से संजय कुमार,सिंटर प्लांट-2 से रूप राम,एचएम(ई)से राजीव कुमार, मेडिकल से सीमा मजूमदार,शैलेंद्र पांडेय,मैकेनिकल सर्विसेज से सुकृति देव और ब्लास्ट फर्नेस से शिव कुमार राघव को भी ससम्मान विदाई दी गई। आयोजन में संचालक मंडल उपाध्यक्ष अमिताभ वर्मा,सदस्य हरिराम यादव,जे के गहिने,विनोद कुमार वासनिक,नीरजा शर्मा और पवन कुमार साहू,शैलेश कुमार सिंह,सुनील कुमार शर्मा,टी के ध्रुव सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। समूचे कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक एम मुरलीधर और आभार संचालक कुलेश्वर चंद्राकर ने व्यक्त किया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com